खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | शुक्रवार, 27 मार्च, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-83

|| जय श्री राम || || जय गौ माता || || जय श्री राम ||

हिन्दू राष्ट्र स्थापनार्थ

आज शुक्रवार दि. 27 मार्च 2026

प्रातः 10:21 बजे से

श्री राम नवमी शोभा यात्रा

विशेष आकर्षण

धूलपेट के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार श्री लक्ष्मीनारायणजी कलाकार द्वारा निर्मित राम दरबार, चक्रधारी श्रीकृष्ण छत्रपति शिवाजी महाराज वीरांगना रानी अवन्तिबाई की झाँकिया

प्रसिद्ध मूर्तिकार श्री सुन्दर कलाकारजी के सुपुत्र बब्बु सिंह द्वारा निर्मित वीर हनुमानजी की झाँकी

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर महिंद्रा हिल्स द्वारा श्री श्याम बाबा की झांकी

शोभा यात्रा : श्री आकाशपुरी हनुमान मन्दिर, रानी अवंती बाई लोध भवन, धूलपेट से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए हनुमान व्यायामशाला स्कूल, कंदास्वामी लेन, सुल्तान बाजार के पास रात्रि 8 बजे सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के साथ सम्पन्न होगी।

आयोजक : **श्री राम युवा सेना**, भाग्यनगर

पूजन एवं हवन कार्यक्रम आचार्यत्व

ज्योतिषाचार्य, वास्तु शास्त्री, आध्यात्मिक चिंतक

पंडित गजानन कृष्णजी महाराज

टी. राजा सिंह

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री राम युवा सेना एवं गोशामहल विधायक

सिद्दीअम्बर बाजार चौराहे पर 'अखण्ड हिन्दू राष्ट्र' पर टी. राजा सिंह द्वारा संकल्प एवं सम्बोधन

अविनाश देवड़ा | अजयराज शर्मा | सीए कन्हैयालाल राठी

श्रीराम युवा सेना-भाग्यनगर | श्रीराम युवा सेना गौरक्षा दल | इमलीबन गौभक्त टीम | श्रीराम युवा सेना महिला मण्डल

सत्यनारायण मुकन्दलाल डोबा मुकुन्द ट्रेडिंग कम्पनी बेगम बाजार	बंकटलाल भाटी रतनलाल हीरालाल भाटी बेगम बाजार	दिनेश मानसिंह मानसिंह'स नंदिनी लॉज गौलीगुड़ा	मदनलाल घनश्याम भाटी शिवनाथ सोहनलाल बेगम बाजार	लक्ष्मीनारायण राठी 'लच्छु भाई वाईस चेयरमैन : महेश बैंक अध्यक्ष : माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद
दामोदरदास विजयवर्गीय किशनलाल बालाराम विजयवर्गीय बेगम बाजार	सरदारमल हुक्मीचन्द देवड़ा हुक्मीचन्द एण्ड ब्रदर्स बेगम बाजार	कैलाश नारायण भांगड़िया पन्नालाल हीरालाल भांगड़िया बेगम बाजार	वेणुगोपाल लोया शोभाचन्द शिवजीराम लोया मोहिनी इण्डस्ट्रीज	ओमप्रकाश अग्रवाल योगेश कुमार अग्रवाल श्री ओम कंपनी गगन पहाड
प्रकाशचन्द जगदीशप्रसाद साँखला बलदेवराम सत्यनारायण बेगम बाजार	जिग्नेश दोशी अध्यक्ष : दि गुजराती सोशल वेलफेयर सोसाइटी अध्यक्ष : साउथ इंडिया गुजराती जैन समाज	पुरुषोत्तम जितेंद्र मिश्र ज्ञानबाग कॉलोनी	नानजी भाई जसमत भाई पटेल Love for Cow Foundation हैदराबाद	नारायणदास मालाणी मूलचन्द आशाराम मालाणी बेगम बाजार
पं. वासुदेव तिवारी श्रीनाथ ज्योतिष कार्यालय उस्मानशाही	आला पुरुषोत्तम भाजपा नेता आला इंटरप्राइजेज, अगापुरा	बालमुकुन्द सूरजकरण जाजू जाजू साड़ी एक्सटेंशन बेगम बाजार	सुरेश कुमार माली हिमालया क्रॉकरी एण्ड गिफ्ट्स फीलखाना	राजेश कुमार मालपाणी राजेश सिल्क हाऊस लाड बाजार - बंजारा हिल्स
अमित लड्डा 'गग्गु भाई' निदेशक, महेश बैंक स्वागत डेकोरेटर्स बेगम बाजार सेलेब्रेशन कन्वेंशन गगन पहाड	PTC महेश बजाज पूजा ट्रेडिंग कम्पनी बेगम बाजार © 9848084900	विजय कुमार सोलंकी बालाजी रामवल्लभ बेगम बाजार	घनश्यामदास मनोजकुमार जोशी शिव शक्ति माइन केम आदर्शनगर	मुकेश सांखला राजेश्वरी कंपनी ड्राई फ्रूट्स एंड स्पाइसेस फल्ली मार्किट, बेगम बाजार
मेघराज रमेश भाटी एम. मेघराज बेगम बाजार	बजरंगलाल पंवार बाबुलाल रामकुमार पंवार बेगम बाजार	एडवोकेट राहुल भाटी रामचन्दर सज्जनलाल भाटी बेगम बाजार	निलेशकुमार मारोठिया श्री सालासर इम्पेक्स बेगम बाजार	भरतराज देवड़ा देवड़ा कंस्ट्रक्शंस एण्ड डेवलपर्स महेश नगर कॉलोनी, आबिड्स
सुमित सोमानी सोमानी ब्रदर्स बेगम बाजार	नन्दलाल पूरणमल अग्रवाल महेश ट्रेडिंग कम्पनी बेगम बाजार	कमलकिशोर आकाश जाजू बालाजी जाजू इवेन्ट्स चूड़ी बाजार, बेगम बाजार	राजेश पूर्वेश साँखला मोहनलाल भंवरलाल जोशीवाड़ी, बेगम बाजार, हैदराबाद	अरुण डाकोतिया चेयरमैन : श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महेन्द्रा हिल्स चेयरमैन : श्री प्राचीन राम मंदिर ट्रस्ट, बेगमपेट
बालाजी रामकिशन पंसारी मानसरोवर एग्रोसैक्स प्रा. लि. हैदराबाद	बस्तीराम नन्दकिशोर उमेश देवड़ा श्री भगवती कारपोरेशन किशनगंज	मूलचन्द नथमल डालिया बेदरवाडी, बेगम बाजार सुगना गार्डन्स अत्तापुर	विजय जाजू जय भवानी कीर्तन मण्डल बेगम बाजार	गुरु सिंह बलवंत सिंह देवेन्दर सिंह परिवार (Contractor) घोडे की कबर
मनीष पवन भाटी रामचन्दर रूपचन्द भाटी बेगम बाजार	बलदेवराम बजरंगलाल भाटी बालाजी सत्यनारायण बेगम बाजार	मुकेश कुमार श्री कृष्णा प्लास्टिक्स बेगम बाजार, हैदराबाद	राजेश यादव संस्कृति जनरल स्टोर पोस्टऑफिस के समीप, बेगम बाजार	ABHISHEK PARIK SVG GEMS & JEWELLERS Begum Bazar, Hyderabad. Ph. : 9866766275
Shiv Ratan Vaish Ratan Khatri RATAN Shivratan Living P. Ltd. Begum Bazar, Hyderabad	Nitin Sarda Kesrimal Narsingdas Sarda Isamiya Bazar, Hyderabad Ph. : 9949013702	Shyam Baheti 9391038450 Manoj Baheti 9391037995 Baheti Steel Traders LLP ESAMIYA BAZAR | NACHARAM | BIRAMALGUDA | KATEDAN	ROHIT JAIN NAKODA WHEELS ALL TYPES OF TYRES & TUBES Narayanguda, Hyderabad. Ph. : 9866766275	Kailash Mantri Director : Mahesh Bank Nutsmash DRYFRUITS & MORE SRIVIK IMPEX Begum Bazar, Hyderabad
Jay Tapadia Vijay Tapadia Secunderabad Tapadia TECH	SANTOSH DHABA THE ORIGINAL GOSHAMAHAL | ABIDS | SECUNDERABAD | ATTAPUR	Platinum PACKAGED DRINKING WATER	maxurtrip.com By Maxtrip Pvt Ltd. Balram Sharma 8885532132 Prabahat Sharma 8886388838	Dholpur Fresh Skimmed Milk Powder DESI GHEE Ph.: 040 24733360

आस्था

शुक्रवार, 27 मार्च, 2026
हैदराबाद

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चैत्र नवरात्रि नवमी हवन विधि और मंत्र, इस तरह घर पर ही करें नवरात्रि के आखिरी दिन हवन

चैत्र नवरात्रि के आखिरी दिन यानी नवमी तिथि को नवरात्रि का समापन हो जाता है। नवमी तिथि के दिन मां दुर्गा का विशेष हवन किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि नवरात्रि व्रत का संपूर्ण लाभ पाने के लिए नवमी तिथि के दिन हवन किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि विधान से हवन करने से मां दुर्गा अपने भक्तों से प्रसन्न होती हैं और नवरात्रि व्रत का पूरा लाभ मिल सकता है। नवरात्रि की नवमी तिथि को 9 दिनों की पूजा का अंतिम निवेदन माना जाता है। मां दुर्गा के लिए यह नवमी तिथि का हवन भेंट के रुप में किया जाता है। आइए जानते हैं नवरात्रि नवमी तिथि हवन की संपूर्ण विधि और मंत्र।

चैत्र नवरात्रि नवमी हवन की तैयारी

हवन की तैयारी के लिए अक्षत, तिल, घी, बेलपत्र, धूमन की लकड़ी, नारियल, जौ, मखाना, मूंगफली, शहद, छुहारा, किसमिस, सुगंधित पदार्थ, गुग्गल आदि सारी सामग्री मिलाकर हवन सामग्री बना लें। साथ ही एक हवन कुंड भी ले लें। इसके बाद गंगाजल छिड़क कर सभी सामग्रियों को पवित्र कर लें। इसके बाद हवनकुंड में आम की सूखी लकड़ियां रखें। इसके बाद एक रुई की बत्ती बना लें और उसे घी में डूबाकर आम की लकड़ियों के ऊपर रख दें। इसके बाद कपूर लें और कपूर को जलाकर हवनकुंड की ज्वाला प्रज्जवलित कीजिए।

चैत्र नवरात्रि नवमी हवन विधि और मंत्र

* सबसे पहले बोलें 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डयै विच्चै नमः' मंत्र का उच्चारण करते हुए पहली आहुति दें।

* अब ओम आग्नेय नमः स्वाहा बोलते हुए आहूति दें।

* अब गणेशजी का ध्यान करें और बोले ओम गणेशाय नमः स्वाहा और आहुति दें।

* इसके बाद ओम गौरियाय नमः स्वाहा बोलकर आहुति दें।

* अब नवग्रह का ध्यान करें और बोलें ओम नवग्रहाय नमः स्वाहा।

* मां दुर्गा का ध्यान करें और मां दुर्गा के नाम से आहुति दें और कहें ओम दुर्गाय नमः स्वाहा।

* अब महाकाली का ध्यान करें और मां के नाम से आहुति दें। ओम महाकालिकाय नमः स्वाहा बोलकर आहुति दें।

* हनुमानजी का ध्यान करते हुए ओम हनुमते नमः स्वाहा कहते हुए एक आहुति दें।

* अब भैरव भगवान का ध्यान करें और ओम भैरवाय नमः स्वाहा बोलके हुए आहुति दें।

* अब अपने कुलदेवता का ध्यान करें और बोलें ओम कुल देवताय नमः स्वाहा।

* स्थान देवता का ध्यान करें और ओम स्थान देवताय नमः स्वाहा बोलकर आहुति दें।

* अब त्रिदेव का ध्यान करते समय आहुति देते जाएं।

ओम ब्रह्माय नमः स्वाहा

ओम विष्णुवे नमः स्वाहा

ओम शिवाय नमः स्वाहा

ओम जयंती मंगलाकाली, भद्रकाली कपालिनी दुर्गा क्षमा शिवाधात्री स्वाहा

स्वधा नमस्तुति स्वाहा।

ओम ब्रह्मा मुरारी त्रिपुरांतकारी भानुः शशि भूमि सुतो बुधश्चः गुरुश्च शुक्र शनि राहु केतव सर्वे ग्रहा शांति करा भवंतु स्वाहा।

ओम गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु, गुरुर्देवा महेश्वरः गुरु साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः स्वाहा।

* अब अंतिम आहुति देते हुए ओम शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे, सर्व स्थार्ति हरे देवि नारायणी नमस्तुते।

इस तरह मंत्रों का उच्चारण करके आप नवमी हवन पूर्ण करें।

चैत्र महानवमी पर गौरी योग का शुभ संयोग

सुहाग और समृद्धि की वृद्धि के लिए आजमा सकते हैं आसान उपाय

चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। वहीं, नवमी तिथि पर कन्या पूजन के बाद व्रत का पारण किया जाता है। इस बार नवरात्रि की महानवमी तिथि 27 मार्च शुक्रवार के दिन पड़ रही है। इस दिन चंद्रमा कर्क राशि में संचार करेंगे, जिससे गौरी योग का संयोग बन रहा है। साथ ही, इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी शुभ संयोग बनेगा।

नजर दोष से बचाव का उपाय

अगर परिवार के किसी सदस्य को नजर लगी हो, तो इसके लिए चैत्र नवरात्रि की नवमी तिथि के दिन आप उपाय कर सकते हैं। एक कच्चे नारियल को साफ लाल रंग के वस्त्र में लपेट लें। अब इसे अपने या जिसे भी नजर दोष हो उसके सिर पर से सात बार घुमाएं। फिर, नारियल को लेजाकर मंदिर के पास या चौराहे पर रख दें। इस उपाय को चुपचाप करना चाहिए। ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ मधु प्रिया के अनुसार, इस उपाय को करने से नजर दोष से बचाव होता है। साथ ही, नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

आर्थिक बाधाएं दूर करने का उपाय

अगर आप कुछ समय से आर्थिक बाधाओं का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए नवमी तिथि के दिन मां दुर्गा को पूजा के समय 108 कमल के फूल या उसकी माला अर्पित करनी चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो आप देवी को गुड़हल के फूल या उसकी माला भी अर्पित कर सकते हैं। साथ ही, इस दौरान कम से कम 108 बार 'ओम श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। मान्यता है की नवरात्रि के अष्टमी तिथि पर इस उपाय को करने से आर्थिक बाधाओं से राहत मिल सकती है। साथ ही, कर्ज से मुक्ति दिलाने के लिए भी इस उपाय को अच्छा माना गया है।

वैवाहिक जीवन में मधुरता का उपाय

दांपत्य जीवन में अगर परेशानी आ रही है या मनमुटाव चल रहा हो, तो नवरात्रि की नवमी तिथि पर शाम के समय एक सरल उपाय कर सकते हैं। इसके लिए शाम को प्रदोष काल के समय अपने पास के मंदिर में श्रृंगार का सामान भेंट करें। साथ ही, मां दुर्गा से जीवन में मधुर दांपत्य जीवन और अटूट बंधन की प्रार्थना करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियों से राहत मिल सकती है। साथ ही, पति-पत्नी के बीच का रिश्ता मजबूत होता है।

करियर में उन्नति का उपाय

अगर आप करियर में किसी समस्या या बाधाओं का सामना कर रहे हैं तो नवमी तिथि के दिन हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। इसके अलावा, सुबह जल्दी उठकर स्नानादि के पश्चात सूर्य को अर्घ्य दें और साथ ही आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। मान्यता है कि ऐसा करने से करियर और नौकरी में आने वाली परेशानियों से राहत मिल सकती है। साथ ही, करियर में तरक्की के नए द्वार खुल सकते हैं। इस उपाय को श्रद्धा भाव से करने से जीवन में सकारात्मकता आती है।

नवमी-दशमी तिथि का विशेष संयोग जानें शुभ कार्यों के लिए अनुकूल समय

हिंदू धर्म में पंचांग का विशेष महत्व है। किसी भी दिन की शुरुआत करने से पहले तिथि, नक्षत्र, योग और शुभ-अशुभ समय को देखना परंपरा माना जाता है। अगर बात करें 27 मार्च के पंचांग की, तो यह चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी और दशमी तिथि के संयोग के साथ आया है। पंचांग के अनुसार, शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि सुबह 10:07 बजे तक रहेगी। इसके बाद दशमी तिथि प्रारंभ हो जाएगी। नक्षत्र की स्थिति भी महत्वपूर्ण है, जिसमें पुनर्वसु नक्षत्र दोपहर 3:24 बजे तक रहेगा और उसके बाद पुष्य नक्षत्र शुरू हो जाएगा। ज्योतिष के अनुसार, पुष्य नक्षत्र को बेहद शुभ माना जाता है। इसलिए इस समय किए गए कार्यों के सफल होने की संभावना ज्यादा रहती है। योग की बात करें तो अतिगण्ड योग रात 10:09 बजे तक रहेगा, जिसके बाद सुकर्मा योग शुरू हो जाएगा। सुकर्मा योग को शुभ कार्यों के लिए अच्छा माना जाता है। वहीं करण में कौलव करण सुबह 10:07 बजे तक रहेगा। इसके बाद तैतिल करण रात 9:24 बजे तक और फिर गर करण शुरू हो जाएगा। ये सभी योग और करण दिन के अलग-अलग समय में कार्यों के प्रभाव को प्रभावित करते हैं।

अब अगर अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल सुबह 11:01 बजे से 12:32 बजे तक रहेगा। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य न करें। यमगण्ड काल दोपहर 3:34 बजे से 5:05 बजे तक रहेगा और गुलिक काल सुबह 7:59 बजे से 9:30 बजे तक रहेगा। इसके अलावा दुर्मुहूर्त सुबह 8:53 बजे से 9:42 बजे तक और दोपहर 12:56 बजे से 1:45 बजे तक रहेगा, जो शुभ कार्यों के लिए बिल्कुल भी अनुकूल नहीं है।

इस दिन कुछ शुभ मुहूर्त भी हैं, जिनमें अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:07 बजे से 12:56 बजे तक रहेगा। इसके अलावा अमृत काल दोपहर 1:44 बजे से 3:16 बजे तक रहेगा, जो जरूरी कामों के लिए काफी अच्छा समय है। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:51 बजे से 5:39 बजे तक रहेगा, जो पूजा-पाठ के लिए श्रेष्ठ माना जाता है।

चैत्र नवरात्रि कलश विसर्जन मुहूर्त, विधि और मंत्र, जानें सही कलश विसर्जन का तरीका

इस साल चैत्र नवरात्रि का समापन 28 मार्च को हो रहा है। चैत्र नवरात्रि का आरंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से होता है और इसका समापन चैत्र शुक्ल दशमी तिथि को किया जाता है। इस दिन ही कलश का विसर्जन भी किया जाता है। श्रीमद्देवीभागवत पुराण में भी इसकी संपूर्ण विधि बताई गई है। आइए जानते हैं कलश विसर्जन का मुहूर्त और कलश के अंदर रखी गई सामग्री को किस प्रकार विसर्जित किया जाए और पूजा के दौरान कौन कौन सी चीजें शामिल करें।

पंडित राकेश झा ने बताया कि दशमी तिथि का आरंभ 27 तारीख को सुबह में 10 बजकर 8 मिनट पर होगा। लेकिन, 28 मार्च को नवरात्रि व्रत का पारण किया जाएगा क्योंकि, इस दिन सूर्योदय के दौरान दशमी तिथि रहेगी। जो लोग 9 दिनों का व्रत रखते हैं वह 28 मार्च को सुबह में 8 बजकर 46 मिनट तक जयंती काटकर कलश विसर्जन कर सकते है। क्योंकि, इसके बाद एकादशी तिथि का आरंभ हो जाएगा।

चैत्र नवरात्रि कलश विसर्जन विधि

कलश विसर्जन करने के लिए सबसे पहले कलश के ऊपर रखे नारियल को उठा लें।

इसके बाद जयंती काट लें (जौं जो बोए जाते हैं) और फिर कलश में रखें पानी को आम के पत्तों की मदद से पूरे घर में छिड़क दें। माना जाता है कि यह पानी घर में शुद्धता लाता है और घर में नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर देता है।

यदि आपने मिट्टी का कलश रखा है तो उसे विसर्जित कर दें। अगर आपने किसी धातु का कलश रखा है तो उसमें से बाकी सामग्रियां निकालकर उन्हें जल में प्रवाहित कर दें और कलश का इस्तेमाल दोबारा से भी साफ करके आप कर सकते हैं।

कलश विसर्जन का मंत्र

गच्छ गच्छ सुरश्रेष्ठ, स्वस्थानं परमेश्वरी, पूजाराधनकाले च पुनरागमनाय च। इस मंत्र का जप करते हुए कलश को उठाएं। इसके बाद ही विसर्जन करें। मंत्र का जप करने से ही कलश विसर्जन करना मंगलकारी माना जाता है।

अखड़ ज्योति का क्या करें ?

अगर आपने अखंड ज्योति जलाई हुई है तो उसे नवरात्रि समाप्त होते ही तुरंत बुझाएं नहीं बल्कि उसको जलने दें। धीरे धीरे वह अपना आप ही बूझ जाएगी। जब तक वह जल रही है उसे जलने दें। जब वह दीपक खुद बुझ जाए और दीपक में थोड़ा घी या तेल बच जाता है तो उसे रोजमर्रा की पूजा में इस्तेमाल करें। अंत में चौकी को थोड़ा का पहला हिलाए इसके बाद चौकी को स्थान से हटाएं।

अप्रैल में चतुर्ग्रही योग और मालव्य राजयोग का संयोग, मेष, वृषभ सहित अन्य राशियों के लिए महीना विशेष लाभदायक

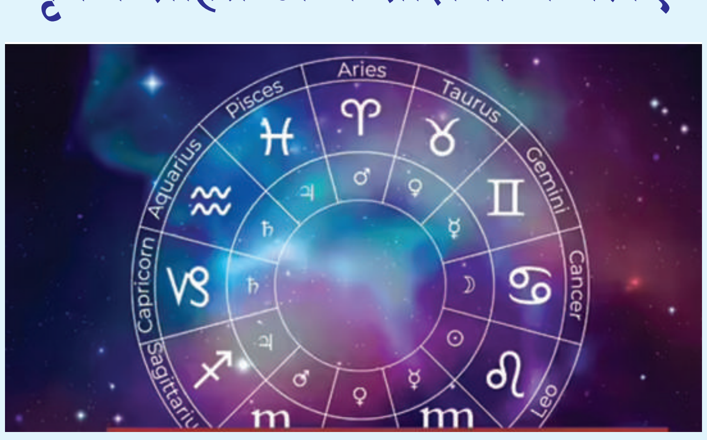

अप्रैल के महीने में ग्रहों का बेहद ही शुभ संयोग बनने वाला है। अप्रैल के महीने में मालव्य राजयोग सहित चतुर्ग्रही योग का भी शुभ संयोग बनेगा। दरअसल, इस महीने सूर्य, मंगल, बुध और शनि की युति मीन राशि में होगी। शनि और सूर्य पहले से ही मीन राशि में मौजूद हैं। वहीं, इस महीने शुक्र का गोचर भी स्वराशि वृषभ में होगा। शुक्र के स्वराशि वृषभ में गोचर करने से मालव्य राजयोग बनेगा। ज्योतिष शास्त्र में मालव्य राजयोग को प्रभावशाली और शक्तिशाली राजयोग माना गया है। अप्रैल में होने वाले ग्रहों के इस योग संयोग से मेष, वृषभ सहित 5 राशियों को अच्छा लाभ मिल सकता है। करियर में उन्नति मिलने के साथ साथ पारिवारिक जीवन में खुशियां भी मिलेंगी।

मेष राशि कार्यक्षेत्र में अधिकार बढ़ेगा

मेष राशि के लिए अप्रैल का महीना अच्छा रहने वाला है। हालांकि, इस समय शनि की साढ़ेसाती भी चल रही है साथ ही राशि स्वामी मंगल की स्थिति भी अनुकूल नहीं दिखाई दे रही है। लेकिन,इस महीने के उत्तरार्ध में सूर्य का गोचर मेष राशि में होगा। यहां सूर्य उच्च के रहेंगे और बेहद ही मजबूत स्थिति में रहेंगे। महीने का उत्तरार्ध विशेष रुप से सभी के लिए अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से तालमेल बढ़ेगा। साथ ही जो लोग नौकरी में बदलाव का सोच रहे हैं तो उनकी यह इच्छा पूरी हो सकती है। साथ ही सरकारी काम भी बनने के अच्छे योग हैं। लेकिन, आपको पारिवारिक जीवन में थोड़ा ध्यान देना होगा।

वृषभ राशि महीना काफी फायदेमंद रहेगा

वृषभ राशि के लोगों के लिए अप्रैल का महीना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। महीने की शुरुआत में गुरु राशि से दूसरे भाव में रहेंगे। जबकि शुक्र का गोचर स्वराशि में होने से महीने का उत्तरार्ध आपके लिए बेहतर साबित होगा। पारिवारिक जीवन को देखें तो आपको करियर में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। साथ ही सुख साधनों पर भी आपके अच्छा खर्चा हो सकता है। आप लग्जरी आइटम की खरीदारी पर पैसा खर्च कर सकते हैं। साथ ही नौकरी पेशा लोगों को महिला सहकर्मी से लाभ मिलने की संभावनाएं हैं।

सिंह राशि मान सम्मान में वृद्धि होगी

सिंह राशि के लोगों के लिए अप्रैल का महीना धूप छांव जैसा साबित होगा। महीने की शुरुआत में आपको थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन, इसके बाद सूर्य के अपनी उच्च राशि मेष में गोचर होने के बाद आपके प्रभाव और मान सम्मान में वृद्धि होगी। सूर्य की आपकी राशि पर दृष्टि रहने से आपको सरकारी क्षेत्र में लाभ राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह समय विशेष रुप से फायदेमंद साबित होगा। लेकिन, अपनी सेहत का थोड़ा ख्याल रखें।

तुला राशि मांगलिक कार्य पर धन खर्च के योग

तुला राशि के लोगों पर इस महीने राशि स्वामी शुक्र की दृष्टि रहेगी। ऐसे में तुला राशि के लोगों को करियर में अच्छा लाभ मिलने के योग बनेंगे। आप जिस पदोन्नति का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे वह अब आपको आसानी से मिल जाएगी। साथ ही आपको अपने पार्टनर से भी पूरा सपोर्ट मिलेगा। आप किसी मांगलिक कार्य पर धन खर्च कर सकते हैं। लेकिन, दूसरे भाग में सूर्य इनकी राशि से सप्तम भाव में रहकर इनकी राशि पर दृष्टि डालेंगे। तो घरेलू मामलों में परेशानी बढ़ सकती है।

धनु राशि मांगलिक कार्यों में शामिल होंगे

धनु राशि के लोगों के लिए अप्रैल का महीना बहुत ही अच्छा साबित होगा। इस पूरे महीने राशि स्वामी गुरु की दृष्टि आप पर बनी रहेगी। गुरु की दृष्टि आपके लिए बहुत ही अनुकूल साबित होगी। परिवार में शुभ मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। प्रभावशाली लोगों से मिलने के अवसर मिलेंगे। इन लोगों से मेलज-ोल बढ़ाने से आपको बड़ा लाभ मिल सकता है। पारिवारिक जीवन को देखें तो आपके लिए समय काफी अच्छा रहेगा। साथ ही धार्मिक कार्यों में शामिल होने के अवसर मिलेंगे।

मासिक धर्म में कन्या पूजन कैसे करें? इन नियमों का ध्यान रखने से मिलेगा कन्या पूजन का पूर्ण फल

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि के दिनों का खास महत्व होता है। ये नौ दिन बेहद पावन माने गए हैं जिसमें मां दुर्गा की पूजा के दौरान पवित्रता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। वहीं, नवरात्रि के अंतिम दिन यानी अष्टमी व नवमी तिथि पर कन्या पूजन के लिए प्रसाद बनाया जाता है और उन्हें देवी का स्वरूप मानकर भोजन कराया जाता है। ऐसे में व्रती इस दौरान पवित्रता का पूरा ख्याल रखते हैं। लेकिन अगर अष्टमी या नवमी तिथि पर कन्या पूजन वाले दिन मासिक धर्म आ जाए, तो महिलाओं की दुविधा इस बात को लेकर बढ़ जाती है की पूजा व कन्या पूजन कैसे किया जाएगा। मासिक धर्म आने पर कन्या पूजन करना चाहिए या नहीं करना चाहिए? ऐसी स्थिति में प्रसाद कैसे बनाएं? आइए पं राकेश झा से जानते हैं की कन्या पूजन के समय मासिक धर्म आ जाए तो क्या करना चाहिए और इसके क्या नियम होते हैं।

मासिक धर्म में पूजन सामग्री को स्पर्श करना है वर्जित

मनुस्मृति के अनुसार, मासिक धर्म में महिलाओं को सुचिता का पालन करते हुए पूजन सामग्री को स्पर्श करने से बचना चाहिए। इस दौरान विशेष रूप से देवी-देवताओं की पूजा को स्पर्श करना, पूजन सामग्री को छूना और पूजा करना वर्जित माना गया है। धर्म शास्त्र में बताया गया है की स्त्री मासिक धर्म में तीन दिनों तक पीड़ा में रहती है। ऐसे में इस अवधि में महिलाओं की ऊर्जा अधिक होती है। इसी के चलते रसोई घर में काम करने व धार्मिक अनुष्ठान करने को वर्जित माना गया है।

मासिक धर्म कन्या पूजन का प्रसाद कैसे बनाएं?

नवरात्रि, पूजा, हवन आदि के दौरान अगर स्त्री को मासिक धर्म आ जाए, तो वह सबसे पहले इसी सोच में पड़ जाती हैं की अब पूजा का प्रसाद कैसे बनेगा? अगर स्वयं इसे नहीं बना सकते तो फिर, कन्या पूजन कैसे करें? पं. राकेश झा और धर्म शास्त्र के अनुसार, ऐसी स्थिति में कन्या पूजन को नहीं छोड़ना चाहिए। इसके लिए प्रसाद जैसे- हलवा, पुरी, चने, खीर आदि आप अपने किसी परिवार की महिला से बनवा सकते हैं। लेकिन आपको किसी भी सामग्री को स्पर्श नहीं करना चाहिए।

मासिक धर्म में कन्या पूजन कैसे करें ?

अष्टमी या नवमी तिथि पर अगर मासिक धर्म आ जाए, तो आप कन्या पूजन के लिए अपने परिवार के किसी सदस्य की सहायता ले सकते हैं। इसके लिए कन्या पूजन तक उन्हें भी व्रत के नियमों का पालन करना चाहिए। घर में 5, 7 या 9 कन्याओं को बुलाकर अपने परिवार के सदस्य के हाथों उन्हें प्रसाद देना चाहिए और विधि-विधान से कन्या पूजन करनी चाहिए। इस दौरान आप दूर से मां दुर्गा का स्मरण करें और मन में उनका ध्यान कर सकती हैं। यानी कन्या पूजन के समय मासिक धर्म आने पर मानसिक पूजा की जानी चाहिए। ऐसे में आप दुर्गा मां के मंत्रों का जाप व दुर्गा सप्तशती का पाठ कर सकते हैं। वहीं, अन्य सभी कार्य अपने परिवार की किसी महिला से कराने चाहिए।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 27 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-83

रामलला राज्याभिषेक

अयोध्या में पहली बार सजेगा भव्य राजशाही दरबार, सूर्य तिलक के साथ अनूठी अनुभूति

अयोध्या, 26 मार्च (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में इस बार रामनवमी का पर्व भक्ति, वैभव और दिव्यता का अद्भुत संगम बनने जा रहा है। भगवान श्रीराम के बाल रूप रामलला का जन्मोत्सव इस बार ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप में मनाया जाएगा, जिसमें आस्था के साथ आधुनिक विज्ञान का भी अनूठा मेल देखने को मिलेगा।

एक बात साफ है कि जिस तरह श्रद्धालुओं की भीड़ आज देखने को मिली है, कल रामनवमी के दिन राम मंदिर के आसपास पैर रखने की जगह नहीं होगी। भीड़ काफी हद तक और बढ़ने वाली है और मंदिर ट्रस्ट भी नए रिकॉर्ड बनने का अनुमान लगा रहा है।

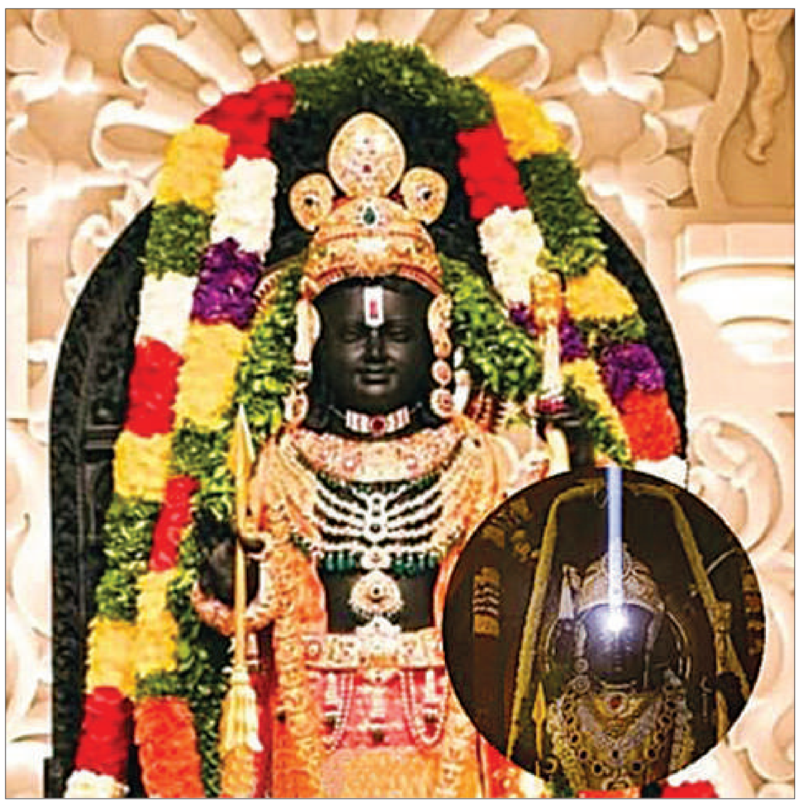

1251 हवन कुंडों पर महायज्ञ

अयोध्या में श्री लक्ष्मीनारायण सह हनुमत श्रीराम महायज्ञ भी हो रहा है, जिसमें जीयर स्वामी जी महाराज सम्मिलित हो रहे हैं। रामनवमी के अवसर पर 1251 हवन कुंडों पर एक साथ 5000 यजमान आहुति दे रहे हैं। यह यज्ञ रामनवमी के साथ विश्व में युद्ध की स्थिति को देखते हुए भी किया जा रहा है और विश्व शांति का आह्वान किया जा रहा है।

राजघाट यज्ञ परिसर में जीयर स्वामी जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में आस्था और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा है। यह महायज्ञ 28 मार्च तक चलेगा। यज्ञ मंडप में 1251 हवन कुंड स्थापित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक कुंड पर चार-चार यजमान बैठकर आहुति दे रहे हैं। वैदिक मंत्रों की गूंज से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक माहौल में डूब गया है।

राजशाही दरबार और सूर्य तिलक

मंदिर में रामलला का विशेष अभिषेक कर उन्हें पीले वस्त्र धारण कराए जाएंगे। इसके साथ ही सोने का मुकुट और हीरा-पन्ना जड़ित स्वर्ण आभूषणों से उनका दिव्य शृंगार किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।भूतल पर प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह तीसरा रामनवमी उत्सव है, लेकिन इस बार खास बात यह है कि मंदिर के प्रथम तल पर राजा राम के रूप में पहली बार उत्सव मनाया जाएगा। यहां भव्य राजशाही दरबार सजेगा, जो रामराज्य की अनुभूति कराएगा।श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रोटोकॉल के अनुसार- सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक अभिषेक, 10:30 से 10:40 बजे तक गर्भगृह के पट बंद, 10:40 से 11:45 बजे तक दिव्य शृंगार, 11:45 बजे भोग के लिए पट बंद और दोपहर 12:00 बजे जन्मोत्सव आरती के साथ पट खुलेंगे।

ठीक दोपहर 12 बजे रामलला के प्राकट्य के क्षण पर लगभग चार मिनट तक सूर्य की किरणें सीधे उनके मस्तक पर पड़ेंगी, जिसे सूर्य तिलक कहा जा रहा है। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं होगा।

रामनवमी पर मंदिर में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भजन, कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे पूरा वातावरण राममय रहेगा। देश-विदेश से श्रद्धालु अयोध्या पहुंचेंगे और मंदिर परिसर में मौजूद भक्त इस अलौकिक क्षण के साक्षी बनेंगे।

6 जोन, 29 सेक्टर में बांटा शहर

रामनवमी पर्व को लेकर अयोध्या धाम की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। शहर को 6 जोन और 29 सेक्टर में बांटा गया है। हनुमानगढ़ी, कनक भवन, नयाघाट और नागेश्वरनाथ मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं। अन्य जिलों से तैनात 10 एएसपी, 30 सीओ और 200 निरीक्षकों के साथ सुरक्षा का कड़ा पहरा रहेगा। एडीजी जोन प्रवीण कुमार, डीआईजी सोमेन वर्मा और एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर लगातार अयोध्याधाम में भ्रमणशील हैं।

बंगाल में चुनावी रामनवमी

5 दिन तक कार्यक्रम, टीएमसी बोली- राम सबके

कोलकाता, 26 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में रामनवमी की तैयारियां चल रही हैं। रामनवमी 27 मार्च को है, लेकिन यहां 5 दिन तक कार्यक्रम होंगे। भाजपा का प्लान है कि इस दौरान हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाए। इसमें बांग्लादेश में दीपू दास, मुर्शिदाबाद में हरिगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन की हत्या भी शामिल है। टीएमसी भी कार्यक्रम करेगी। पार्टी हुगली में अस्त्रहीन संकीर्तन रैली निकालेगी। उसका कहना है कि जयश्री राम कहने से राम सिर्फ भाजपा के नहीं हो जाते।

रामनवमी की तैयारियां पूरे बंगाल में हो रही हैं, लेकिन आसनसोल का जिक्र इसलिए क्योंकि यहां 2018 में रामनवमी पर हिंसा भड़की थी। रानीगंज और आसनसोल के बाजारों में 100 से ज्यादा दुकानें और घर जला दिए गए थे। तीन मौतें हुईं और कर्फ्यू लगाना पड़ा। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। रामनवमी भाजपा और टीएमसी दोनों के लिए बड़ी परीक्षा है। अनुमान है कि राज्य में करीब 20 हजार शोभा यात्राएं और जुलूस निकाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में हिंदू संगठन रामनवमी पर 12 साल से रैलियां निकाल रहे हैं। इनमें आरएसएस, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के लोग शामिल होते हैं। अब इनमें पॉलिटिकल पार्टियां भी शामिल होने लगी हैं। हालांकि जुलूसों में पार्टी का झंडा नहीं होता। रामनवमी पर ज्यादातर कार्यक्रम हिंदी भाषी इलाकों में होते हैं। इसमें आसनसोल भी है। आसनसोल साउथ की विधायक और इगझ की वाइस प्रेसिडेंट अग्निमित्रा पाल से तैयारियों के बारे में पूछा गया तो वे कहती हैं, इस बार बर्नपुर, चित्रा मोड़, राधानगर, बल्लावपुर, मोशिला, काली पहाड़ी और एगरा में रैलियां निकालेंगे। इनमें 10 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ साल से रामनवमी पर होने वाले कार्यक्रमों में टीएमसी भी शामिल हो रही है।आसनसोल में पार्टी के एक लीडर से बात की। ▶8पर

चारमीनार मल्टी-लेवल कार पार्किंग के लिए फिर से टेंडर

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) चारमीनार के पास एक मल्टी-लेवल कार पार्क के निर्माण के लिए फिर से निविदाएं आमंत्रित करेगी। यह सुविधा चारमीनार पेडेस्ट्रियनाइजेशन प्रोजेक्ट (सीपीपी) का हिस्सा के रूप में योजनाबद्ध थी। यह तीसरी बार होगा जब चारमीनार पुराना बस स्टैंड पर कार पार्क बनाने के लिए निविदा आमंत्रित की जाएगी, क्योंकि पिछली दो प्रयासों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मोड के तहत परियोजना के लिए किसी भी बिडर से कोई रुचि नहीं मिली थी।

यह जानकारी बृहस्पतिवार को विधानसभा में दी गई। यह जानकारी मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा एआईएमआईएम विधायकों के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी गई, जिसमें पेडेस्ट्रियनाइजेशन परियोजना की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछा गया था।सीपीपी के हिस्से के रूप में अफजलगंज में मूसी नदी पर एक आइकोनिक पैदल-यात्री पुल के संदर्भ में, सदन को सूचित किया गया कि विस्तृत इंजीनियरिंग ड्राइंग मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा जांची जा रही हैं। इसमें नदी में विभिन्न प्रवाह मापदंडों के साथ-साथ मूसी पुनरुद्धार परियोजना के हिस्से के रूप में प्रस्तावित पूर्व-पश्चिम गलियारे को भी ध्यान में रखा जा रहा है। सालार जंग संग्रहालय के पास बनने वाले इस पुल पर डिजाइन अंतिम होने के बाद ही काम शुरू होगा, मुख्यमंत्री ने अपने जवाब में कहा।

बातचीत या बमबारी?

ट्रंप के सामने ग्राउंड ऑपरेशन के लिए 4 विकल्प

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ईरान पर अंतिम प्रहार करने के विकल्पों पर काम कर रहा है। इसके तहत अमेरिका अपने सैनिकों को ईरान में उतार सकता है और ईरान के रणनीतिक ठिकानों पर भीषण बमबारी कर सकता है। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने दो अमेरिकी अधिकारियों और दो जानकार सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। इजरायली वेबसाइट इजरायल टाइम्स ने भी इस रिपोर्ट को जारी किया है।

अगर ईरान के साथ उच्च-स्तरीय बातचीत शुरू करने की कोशिशें कामयाब नहीं होतीं और ईरानी होर्मुज़ स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को रोकना और धमकाना जारी रखते हैं, तो अमेरिका एक अंतिम चोट के रूप में इस विकल्प पर विचार कर सकता है।

इस अंतिम प्रहार से अमेरिका के दो उद्देश्य साधे जा सकेंगे। तेहरान के साथ भविष्य की बातचीत में उसकी स्थिति मजबूत होगी या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जीत की घोषणा के साथ एकतरफ़ा रूप से युद्ध समाप्त करने का मौका मिल जाएगा। अधिकारियों ने एक्सियोस को बताया कि चार विकल्पों पर चर्चा चल रही है।

तेल द्वीप से लेकर यूरेनियम तक

पहला विकल्प होगा खार्ग द्वीप पर कब्जा करना या उसकी घेराबंदी करना। ये द्वीप ईरान का तेल निर्यात का मुख्य केंद्र है। अगर इस द्वीप पर अमेरिका का कब्जा हो जाता है तो इससे ईरान की कमर ही टूट जाएगी।

ईरान के लिए खार्ग द्वीप उसकी तेल इकोनॉमी की लाइफलाइन माना जाता है। फारस की खाड़ी में स्थित यह द्वीप देश का प्रमुख तेल निर्यात टर्मिनल है, जहां से लंबे समय से लगभग 80090% कच्चा तेल बाहर भेजा जाता रहा है। यहां बड़े भंडारण टैंक, लोडिंग जेटी और पाइपलाइन नेटवर्क मौजूद हैं, जो इसे रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील बनाते हैं। खार्ग पर किसी भी सैन्य हमले या नाकेबंदी की स्थिति इसका असर सीधे ईरान की आय, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक तेल बाजार पर पड़ता है। इसलिए इसकी सुरक्षा ईरान की शीर्ष प्राथमिकता रहती है।

दूसरा विकल्प होगा होर्मुज स्ट्रेट में स्थित लरक द्वीप पर कब्ज़ा करना। इस द्वीप पर ईरानी ठिकाने और रडार मौजूद हैं, जो होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर नजर रखते हैं, साथ ही यहां छोटी नावें भी मौजूद हैं जो नागरिक जहाज़ों पर हमला कर सकती हैं। ईरान ने कासेम और लरक द्वीप के बीच ही अपना टोल बूथ लगाया है। यही वो जगह है जहां से ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से सेफ्टी शुल्क के रूप में करोड़ों रुपये वसूलने की तैयारी कर रहा है।

तीसरी संभावना होगी पूर्वी फारस की खाड़ी में स्थित अबू मूसा द्वीप पर हमला करना। इस द्वीप के जरिए ईरान को खाड़ी से बाहर निकलने वाले जहाज़ों पर नियंत्रण मिल जाता है। यह द्वीप और इसके पास स्थित ग्रेटर और लेसर तुंब द्वीप ईरान के कब्जे में हैं, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इन पर अपना दावा करता है। यूएई अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी देश है। चौथी संभावना अमेरिका सीधे तौर पर ईरानी तेल का निर्यात करने ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 24^0

आईपीएल-19 महाकुंभ कल से

12 डबल हेडर, 13 वेन्यू और 70 मैच...

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के दूसरे चरण का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। हालांकि, बोर्ड ने फिलहाल प्लेऑफ और फाइनल मैच की तारीख और स्थल का एलान नहीं किया है। लेकिन समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, खिताबी मुकाबला 31 मई को बेंगलूरू में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने 70 लीग मैचों का कार्यक्रम घोषित किया है जो 24 मई तक चलेगा। आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होगी। बोर्ड ने पहले 20 मैचों का कार्यक्रम घोषित किया था और अब दूसरे चरण में बीसीसीआई ने लीग चरण के शेष 50 मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया है।

आईपीएल 2026 का कार्यक्रम दो भागों में जारी किया गया है। पहले 20 मैचों का शेड्यूल जारी हुआ था और अब लीग चरण के शेष 50 मैचों का कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसका कारण पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। असम, पुडुचेरी, केरल, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के नतीजे चार मई को जारी होंगे। बीसीसीआई ने इन राज्यों में चुनाव घोषित होने के बाद लीग चरण का पूरा कार्यक्रम घोषित किया है।

आरसीबी की टीम इस बार अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। आरसीबी ने 2025 में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल का खिताब जीता था। आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि उसके होम ग्राउंड चिन्नास्वामी स्टेडियम को मुकाबले की मेजबानी करने की मंजूरी मिल गई है। **(मैचों की सूची खेल पृष्ठ पर)** ▶8पर

आंध्र प्रदेश भीषण सड़क हादसा

बस में आग, 14 जिंदा जले

मार्कापुरम (आंध्र प्रदेश), 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में रायवरम के पास गुरुवार को भीषण सड़क दुर्घटना में एक स्लीपर बस में आग लग जाने से कम से कम 14 यात्री जिंदा जल गए। बस आज सुबह हैदराबाद से कनिगिरी जा रही थी, तभी उसकी एक ट्रक से टक्कर हो गई।

बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। पुलिस ने बताया कि टक्कर के बाद बस में आग लग गई और वह पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। इस दुर्घटना में 28 अन्य यात्री भी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस और आपातकालीन सेवाओं सहित जिला अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और फिलहाल बचाव और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के प्रकाशम ज़िले में हुए एक सड़क हादसे पर शोक जताया है और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सहायता राशि की घोषणा की है। ▶8पर

सिनेमा में बढ़नी चाहिए महिलाओं की भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में कंगना रनौत का बयान

नई दिल्ली के भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आगाज हो चुका है, जो 30 मार्च तक चलेगा। फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में कंगना रनौत, हेमा मालिनी, विक्की कौशल, सान्या माल्होत्रा, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनुपम खेर और लॉरेन गॉटलिब जैसे स्टार्स को देखा गया। समारोह में पहुंची भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने सिनेमा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात की। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, अगर महिलाओं को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा, तो हम उनके दृष्टिकोण को नहीं समझ पाएंगे। इसीलिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। धीरे-धीरे, जिस तरह प्रधानमंत्री इसे राजनीति में ला रहे हैं, मुझे लगता है कि फिल्मों को भी महिलाओं के लिए मंच प्रदान करना चाहिए, चाहे वह फिल्म समारोहों के माध्यम से हो, स्टूडियो के समर्थन से हो या उनके संघर्षों को प्रदर्शित करके हो, भले ही वे छोटे ही क्यों न हों। उन्हें किसी भी तरह से प्रोत्साहित करना एक बड़ा कदम होगा।

समारोह में पहुंचे अभिनेता अरविंद स्वामी ने एआई पर अपने विचार रखे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की क्षमताओं का दायरा बहुत ही व्यापक होने वाला है। भविष्य में हम बिना किसी की मदद के भी फिल्में बना सकेंगे, यहां तक कि एक व्यक्ति भी पूरी फीचर फिल्म बना सकता है। उपकरण बहुत तेजी से विकसित हो रहे हैं। अभी इसका इस्तेमाल छोटे पैमाने पर किया जा रहा है, लेकिन भविष्य में उसका स्तर बढ़ने वाला है।

बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को विशेष श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके साथ ही अभिनेता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी दिया जाएगा। इस बात की जानकारी खुद हेमा मालिनी ने दी।

धर्मेंद्र के अलावा, शर्मिला टैगोर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया। पांच दिन चलने वाले कार्यक्रम में सिनेमा के कई सितारे शिरकत करने वाले हैं।

धुरंधर का रहा मार्च, अप्रैल में ये फिल्में दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार

मार्च में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और अच्छी कमाई कर रही है। आदित्य धर की फिल्म का विदेशी बॉक्स ऑफिस पर भी जलवा है। स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म अपने ओपनिंग वीकेंड पर विदेशों में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म भी बन चुकी है।। अब अप्रैल में भी बॉलीवुड दर्शकों के लिए कई बड़ी और रोचक फिल्में लेकर आ रहा है। अप्रैल में हर जॉनर की फिल्म रिलीज होगी। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस, हॉरर-कॉमेडी और पीरियड-ड्रामा के साथ भरपूर मनोरंजन दर्शकों को मिलेगा। अप्रैल में रिलीज होने वाली फिल्मों की लिस्ट में 'आवारापन 2' के साथ ही सलमान खान, अक्षय कुमार की फिल्मों का भी नाम शामिल है। 'आवारापन 2' सिनेमाघरों में 3 अप्रैल को रिलीज होगी। साल 2007 की हिट फिल्म 'आवारापन' के सीक्वल में इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसमें इमोशन, एक्शन और प्यार से भरी कहानी दिखाई जाएगी।

अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को थिएटर्स में रिलीज होगी। हॉरर-कॉमेडी फिल्म में अक्षय कुमार के साथ तब्बू, राजपाल यादव और परेश रावल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में डर और हंसी का मजेदार कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा, जो कि टीजर के साथ सामने आ चुका है।

निखिल सिद्धार्थ स्टारर पीरियड एक्शन फिल्म 'स्वयंभू' 10 अप्रैल को रिलीज होगी। पहले यह 13 फरवरी को आने वाली थी, लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन और वीएफएक्स के कारण तारीख बढ़ाई गई। मेकर्स के अनुसार फिल्म दो भागों में रिलीज की जाएगी।

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैत: ए लव स्टोरी' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी। प्यार और बदले के इर्द-गिर्द घूमती फिल्म एक्शन और रोमांस से भरी है।

सलमान खान की मोस्टअवेटेड फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस (पहले नाम बैटल ऑफ गलवान) की भी अप्रैल में रिलीज की चर्चा है। मेकर्स ने रिलीज डेट की अभी पुष्टि नहीं की है। यह फिल्म गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच हुई वास्तविक लड़ाई पर आधारित है। इसमें भारतीय सैनिकों की बहादुरी दिखाई जाएगी। फिल्म में सलमान खान के साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह लीड रोल में हैं।

'गिन्नी वेड्स सनी 2' थिएटर्स में 24 अप्रैल को आएगी। यह रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' का सीक्वल है। अविनाश तिवारी और मेधा शंकर मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में प्यार, कॉमेडी और रिश्तों की मजेदार कहानी दिखाई जाएगी।

सेलिना जेटली को मिला प्रीति जिंटा का साथ, ईद पर दी नई हिम्मत

बॉलीवुड की 'नो एंट्री' फेम एक्ट्रेस सेलिना जेटली इस वक्त बहुत बुरे दौर से गुजर रही हैं। उनका पति पीटर हाग से तलाक का केस चल रहा है। वे अपने तीनों बच्चों से भी बहुत दूर हैं। अभिनेत्री का भाई भी अबू धाबी की जेल में बंद है। इन मुश्किल हालातों ने अभिनेत्री को तोड़कर रख दिया है, लेकिन इस ईद पर उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है। सेलिना जेटली ने अब बहुत प्यारा पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वो ट्रेडिशनल आउटफिट में दिख रही हैं और गहनों से लदी हैं। अभिनेत्री को काफी समय बाद ऐसे अवतार में देखा गया है। खुद को यूं सजा और तैयार करके सेलिना का आत्मविश्वास भी बढ़ गया है। इन परिस्थितियों में उन्हें अच्छा फील कराया प्रीति जिंटा ने, जिन्होंने उन्हें तैयार होने के लिए मोटिवेट किया।

अपनी प्यारी फोटोज शेयर कर सेलिना ने प्रीति जिंटा का दिल से शुक्रिया कहा है। उन्होंने लिखा, एक अलग तरह की ईद, जिसने मुझे खुद से फिर से जोड़ा। बहुत लंबे समय बाद, मैंने ट्रैकसूट और वर्कआउट कपड़ों के अलावा कुछ और पहना। काफी समय बाद, यह मेरा पहला कदम था, पूरी तरह सज-धज कर बाहर आना। मेरी दोस्त प्रीति जिंटा ने मुझे तैयार होने और खुद के लिए बाहर आने के लिए प्रेरित किया।

सेलिना के मुताबिक खुद को तैयार करके वह आत्मनिर्भर और शक्ति से भरा महसूस कर रही हैं। पहले उन्होंने परेशानियों में खुद को इतना घोल लिया कि खुद को पूरी तरह भूल गईं और सजना-संवरना छोड़ दिया था।

अब तैयार होकर उन्हें महसूस हो रहा है कि उनके अंदर एक अलग शक्ति है और वो हर चीज की हकदार हैं, चाहे बात कपड़ों की हो या फिर संजने-संवरने की। उन्होंने आगे लिखा, जो भी इस समय मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, खुद के लिए समय निकालें। सज-धज कर तैयार हों, भले ही सिर्फ अपने लिए ही सही। क्योंकि कभी-कभी, एक छोटा सा प्रयास ही आपको फिर से पहले जैसा महसूस कराने की शुरुआत बन जाता है। क्योंकि मैं खुद को भूल चुकी थी।

जसलीन कौर के किरदार में परी पंधेर का जादू, छोटी सी भूमिका में छोड़ी गहरी छाप

आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' ने साल 2025 में रिलीज होते ही दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी, तो वहीं दूसरे पार्ट ने रिलीज होते ही हर किसी को चौंका दिया। धुरंधर में जहां सारा ने डेब्यू कर हर किसी को दीवाना बना दिया था, तो 'धुरंधर: द रिवेंज' में पंजाबी सिंगर और अभिनेत्री परी पंधेर ने अपनी सादगी से हर किसी के दिलों को जीता है। फिल्म में परी का छोटा-सा लेकिन प्रभावशाली रोल रहा है। अभिनेत्री ने फिल्म में जसकिरत सिंह रंगी (रणवीर सिंह) की बहन जसलीन कौर रंगी की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में परी का किरदार बहुत भावुक और असरदार रहा और उनकी एक्टिंग ने सभी पर गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने अपने किरदार को इतनी गहराई दी, जिससे जसकीरत की शुरुआती जिंदगी अच्छे से दिखाई गई। फिल्म में पंजाब का रंग भी साफ झलकता है। रणवीर सिंह, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए परी का यह डेब्यू काफी प्रभावशाली रहा है। वह 2026 की नई उभरती प्रतिभाओं में शुमार हो गई हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर सबका शुक्रिया अदा किया।

उन्होंने सेट से कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, जब आदित्य धर सर की टीम से 'धुरंधर' के लिए फोन आया, तो सबसे पहले पूछा गया कि आपके लिए कितनी गाड़ियां भेजें और कहां भेजें? उस पल सब कुछ सपना लग रहा था।

उन्होंने लिखा, उस दौरान मैं अपने मेंटर और भाई बंटी बेंस के साथ बैठी थी और हम दोनों की खुशी का ठिकाना नहीं था। हम इतने उत्साहित थे कि गाड़ी का इंतजार करने की बजाय अपनी कार में बैठकर सीधे शूटिंग लोकेशन के लिए निकल पड़े। उस सफर के हर पल में शुक्रिया, सपने और खुशी भरी हुई थी। उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, कुछ सफर सिर्फ मंजिल तक पहुंचने के लिए नहीं होते। वे यह एहसास दिलाते हैं कि आप वाकई उसी के लिए बने हैं। उस दिन मुझे लगा कि कुछ बहुत खूबसूरत शुरू होने वाला है। ऐसे पलों के लिए हमेशा आभारी रहूंगा।

शुरुआत में दिन-रात करता था लगातार काम, अब समझ आई जिंदगी में संतुलन की अहमियत : हितेन तेजवानी

टीवी इंडस्ट्री की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार दिखाई देती है, उसके पीछे उतनी ही मेहनत और संघर्ष छिपा होता है। कलाकारों को लगातार शूटिंग करनी पड़ती है और कई बार दिन-रात काम करना पड़ता है। इस कड़ी में टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने अपने करियर के शुरुआती सालों की मेहनत और आज के बदले हुए नजरिए के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था, जब वह 24 घंटे में करीब 18 से 19 घंटे तक काम किया करते थे।

हितेन तेजवानी ने अपने पुराने दिनों को याद किया और कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में शुरुआत के समय मेरा पूरा ध्यान सिर्फ काम पर ही रहता था। उस समय मैं लगातार शूटिंग में बिजी रहता था, नींद के लिए बहुत कम समय मिल पाता था और बाकी किसी चीज के बारे में सोचने का समय भी नहीं होता था। कई बार तो ऐसा होता था कि मैं 24 घंटे में 18 से 19 घंटे तक लगातार काम करता रहता था और मुश्किल से कुछ घंटे ही सो पाता था।''

हितेन ने कहा, ''उस समय मेरे अंदर काम को लेकर जबरदस्त जुनून था। मैं सिर्फ यही सोचता था कि मैं अपने काम को और बेहतर कैसे करूं। वही मेहनत और लगातार काम करने का जज्बा मुझे आज इस मुकाम तक लेकर आया है। अगर मैंने उस समय इतनी मेहनत न की होती, तो शायद आज मैं यहां तक नहीं पहुंच पाता और इतने लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक भी नहीं पाता।''

अभिनेता ने कहा, ''समय के साथ इंसान का नजरिया बदलता है। दो दशक से ज्यादा समय तक इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब मुझे यह महसूस होता है कि जिंदगी में सिर्फ काम ही सब कुछ नहीं होता। लंबे समय तक लगातार काम करने के बाद एक ऐसा दौर आता है, जब इंसान को संतुलन की अहमियत समझ आने लगती है। अब मैं कोशिश करता हूं कि काम के घंटे सीमित हों, ताकि मुझे आराम और परिवार के लिए भी पर्याप्त समय मिल सके।''

हितेन ने कहा, ''आज मैं अपने काम को पूरी ईमानदारी और मेहनत से करता हूं, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखता हूं कि जीवन के दूसरे पहलुओं को नजरअंदाज न करूं। परिवार के साथ समय बिताऊं, आराम करूं और मानसिक शांति बनाए रखूं, क्योंकि यह उतना ही जरूरी है, जितना कि पेशेवर सफलता हासिल करना।''

विजय देवरकोंडा ने शादी को खास बनाने वाली तीन महिलाओं को कहा थैंक्स

ज्वेलरी को बताया सपनों से भी ज्यादा खूबसूरत

उदयपुर में 26 फरवरी को शादी करने के बाद से ही रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा सोशल मीडिया का सबसे चर्चित कपल बन चुके हैं। इस बीच अभिनेता ने अपनी शादी में मुख्य भूमिकाएं निभाने वाली तीन महिलाओं को याद किया है। विजय देवरकोंडा ने शादी के एक महीने बाद शादी की सारी जिम्मेदारी संभालने वाली महिलाओं को स्पेशल थैंक्स कहा है, जिसमें उनकी वेडिंग प्लेनर, करीबी दोस्त ऐश्वर्या और उन्हें गहनों से सजाने वाली डिजाइनर शामिल हैं। अभिनेता ने तीनों को लेकर बहुत खूबसूरत बातें लिखी हैं और शादी को यादगार बनाने का श्रेय भी दिया। विजय देवरकोंडा ने पहले अपनी दोस्त ऐश्वर्या को दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, बिना कहे ही वो शादी का फैसला करने के पल से ही मेरे साथ थी, ताकि मैं और रुशी खूब मजे कर सकें।

घूमने-फिरने से लेकर जगह चुनने, खाना चखने, खूब मस्ती करने, कपड़े खरीदने से लेकर गहने, निमंत्रण पत्र, सजावट, यात्रा-हर काम में वो हम दोनों के साथ थीं। अभिनेता ने अपनी दोस्त को शुक्रिया कहने के लिए भी अनोखा तरीका निकाला। अभिनेता ने तय किया कि वो रिसेप्शन में जो भी पहनेंगे वो सब उनकी दोस्त के होंगे। उन्होंने रिसेप्शन के दिल ऐश्वर्या की पायल को गले का हार और कंगन बनाकर पहना था, ताकि वे उन्हें हमेशा याद रख सकें।

विजय देवरकोंडा ने ज्वेलरी डिजाइनर अर्पिता और वेडिंग प्लानर प्रिया का भी दिल से धन्यवाद दिया। अभिनेता के मुताबिक दोनों के बिना यह शादी इतने अच्छे तरीके से हो पाना बहुत मुश्किल था। उन्होंने वेडिंग प्लानर प्रिया से कहा है कि फैमिली में भविष्य में होने वाले सभी फंक्शन वहीं करेंगी।

देवरकोंडा ने ज्वेलरी डिजाइनर अर्पिता की भी तारीफ की, क्योंकि अर्पिता ने इन ज्वेलरी डिजाइनों को तराशा जो अभिनेता के दिमाग में थे। उन्होंने लिखा, मैंने उनसे कभी भी 'असंभव' शब्द नहीं सुना-मैंने उनसे वो चीजें मांगीं जो मेरे दिमाग में थीं और जिन्हें कोई बना भी नहीं रहा था और उन्होंने सबसे खूबसूरत स्केच बनाए, जो मेरे सपनों से भी कहीं ज्यादा कलात्मक थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा । सितारे इशारा कर रहे हैं कि किसी नज़दीकी स्थान की यात्रा हो सकत है। यह सफ़र मज़ेदार रहेगा और आपके प्रिय लोगों का साथ मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे । जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे। अगर आप थोड़ी कोशिश करें तो आपका दिन कुछ इसी तरह गुज़रेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे। आपकी बातों को आपके घर वाले आज गौर से नहीं सुनेंगे इसलिए आज उनपर आपका गुस्सा फूट सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक रुमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। महत्व–पूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक़्त अपने शब्दों को ग़ौर से चुनें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़िंदगी की ओर एक उदार रवैया अपनाएँ। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दुःखी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा, क्योंकि यह मुफ़्त भी है और अच्छी एक्सरसाइज़ भी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका तेज़ काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए आज आप किसी मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से मिल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ मज़ेदार रहेंगी, अगर पूरे परिवार की उसमें सहभागिता हो। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है। स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए आज किसी पार्क या जिम में आप जा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है; आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं। आपकी ख़ूबियां आज लोगों को बीच आपको प्रशंसा का पात्र बनाएंगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी। जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है; लेकिन धैर्य बनाए रखें।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 मार्च 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 10:09 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु दोपहर 03:24 तक
योग : अतिगंड रात्रि 10:09 तक
करण : कौलव प्रातः 10:09 तक
चन्द्रराशि : मिथुन प्रातः 09:36 तक
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी सर्वार्थ सिद्धि योग दोपहर 03:24 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पूर्व सीएम का सरकार पर तीखा हमला : बोले

राज्य में पूरी तरह चौपट कानून–व्यवस्था, एक महीने में सात हत्याएं...

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से रूबरू होते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश की बिगड़ती कानून–व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय हालातों पर राज्य व केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने राजस्थान में पिछले एक महीने में हुई हत्याओं का ब्यौरा पेश करते हुए सरकार को घेरने के साथ–साथ मंत्रियों को पारिवारिक हस्तक्षेप पर कड़ी नसीहत दी। इस बातचीत को गहलोत ने अपने एक्स हैंडल पर भी अपलोड किया है। बेटों को सत्ता के नजदीक लाओगे, तो वो आपको बदनाम कर देंगे राजसमंद विधायक के पुत्र और अन्य मंत्रियों के परिवारों पर लग रहे आरोपों पर कटाक्ष करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने एक बड़ी सलाह दी।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम और सभी मंत्रियों को चाहिए कि वे अपने बेटों को सरकार से दूर रखें। अगर आप उन्हें नजदीक लाएंगे, तो वे बिगड़ जाएंगे और आपको, सरकार को व मुख्यमंत्री को बदनाम करवा देंगे।

उन्होंने मंत्रियों से कहा कि वे अपने बच्चों को घर के अंदर अच्छे संस्कार दें, न कि उन्हें सत्ता की गतिविधियों में शामिल करें। राजस्थान में चल रही चर्चाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तक ये बातें शायद पहुँच नहीं रही हैं।

प्रदेश की सुरक्षा स्थिति पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान में कानून–व्यवस्था का नामोनिशान नहीं बचा है। उन्होंने सूची पेश करते हुए हालिया घटनाओं का जिक्र कियाः भरतपुर में ज्वेलर की हत्या। फलोदी में नकाबपोशों द्वारा हत्या, जयपुर में प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग, और बाड़मेर में व्यापारी की दुकान में घुसकर हत्या।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने एफआईआर की अनिवार्यता खत्म कर दी है और केवल 'आंकड़ों की बाजी–गरी' कर जनता को गुमराह किया जा रहा है।

उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति दिए गए विरोधाभासी बयानों (दोस्त कहना और फिर राजनीतिक करियर खत्म करने की बात करना) को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों पर विदेश मंत्री द्वारा 'दलाली' शब्द के इस्तेमाल को उन्होंने अमर्यादित करार दिया। उन्होंने कहा कि शांति प्रयासों के लिए ऐसी भाषा का उपयोग देश की छवि के लिए ठीक नहीं है। प्रदेश में एलपीजी किल्लत को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक की उन्होंने सराहना की। उन्होंने कहा कि विपक्ष को शामिल करना एक अच्छा कदम है, जैसा उन्होंने स्वयं कोविड काल के दौरान किया था।

विपक्ष सरकार के साथ, लेकिन जनता को मिले पारदर्शी व्यवस्था: टीकाराम जूली

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गुरुवार को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के मद्देनज़र एलपीजी और पेट्रोल संकट के विषय पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सम्मिलित होकर वर्तमान परिस्थितियों और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को लेकर सकारात्मक सुझाव साझा किए। प्रदेश के हित में महत्वपूर्ण कथन करते हुए जूली ने स्पष्ट किया कि किसी भी आपदा या संकट के समय विपक्ष पूरी तरह से जनता और सरकार के सहयोग के लिए तत्पर है, क्योंकि हर मुद्दे पर राजनीति नहीं की जाती।

आर्थिक मोर्चे पर सरकार को घेरते हुए जूली ने कहा कि सरकार को किसी भी सूरत में पेट्रोल–डीजल के दाम नहीं बढ़ाने चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि पूर्व में कच्चा तेल सस्ता होने पर तेल कंपनियों और सरकारों ने भारी मुनाफा कमाया है, अतः अब यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतें बढ़ती भी हैं, तो सरकार को अपने टैक्स और 'स्पेशल सेस' में कटौती कर उसे एडजस्ट करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस समय दरें बढ़ाई गईं, तो महंगाई अनियंत्रित हो जाएगी और देश की अर्थव्यवस्था सहित आम आदमी की कमर टूट जाएगी।

बैठक के बाद जारी बयान में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए जनता के बीच किसी भी प्रकार का 'पैनिक' नहीं होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि सरकार को वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक करना चाहिए। जूली ने सुझाव दिया कि राज्य में गैस, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कितनी मांग है, कितनी आपूर्ति की जा रही है और कितना स्टॉक उपलब्ध है, इसका डेटा जनता के सामने रखें।

जूली ने प्रदेश में गैस सिलेंडरों की किल्लत पर चिंता जताते हुए कहा कि आम शादियों से लेकर हॉस्टल, होटल और उद्योगों तक को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार द्वारा झ्छत्रः (पाइप्ड नेचुरल गैस) के आदेशों को लेकर सवाल उठाया कि अब तक इन फाइलों और NOC को क्यों अटकाया गया था? उन्होंने मांग की कि जिन अधिकारियों या विभागों ने अब तक इस प्रक्रिया में देरी की, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक 30 को धूमधाम से मनाया जाएगा

टोंक, 26 मार्च (एजेंसियां)। सत्य और अहिंसा के प्रतीक भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव 30 मार्च (सोमवार) को जिलेभर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि महोत्सव के तहत प्रात:काल श्री दिगंबर जैन नसिया से प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जो घंटाघर तक पहुंचेगी। यहां हाउसिंग बोर्ड एवं पुरानी टोंक से आने वाली प्रभात फेरियों का संगम होगा। इसके पश्चात अहिंसा सर्किल पर भगवान महावीर स्वामी का अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया जाएगा, साथ ही अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी संपन्न होंगे। इसी क्रम में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसिया में दोपहर के समय एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज के लोग बढ़–चढ़कर भाग लेंगे। सायंकाल 108 दीपकों से भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। महोत्सव के अंतर्गत आदिनाथ जयंती से लेकर महावीर जयंती तक महिला मंडल द्वारा प्रतिदिन सायंकाल भजन–भक्ति एवं विनती कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं। इस आयोजन को लेकर श्री दिगंबर जैन नसिया में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं और समाज में उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार को आयकर विभाग ने भेजा मिला 9 करोड़ का नोटिस

बूंदी, 26 मार्च (एजेंसियां)। पिछले साल आयकर विभाग से 9 करोड़ रुपए का भारी–भरकम टैक्स नोटिस पाने वाले एक सड़क किनारे कुम्हार की हालत एक बार फिर बेहद खराब है, क्योंकि विभाग ने एक बार फिर उससे करीब 9 करोड़ रुपए के टैक्स की डिमांड वाला नोटिस भेजा है, जिससे उसका परिवार सदमे में है। मिट्टी के बर्तन बनाकर और बेचकर मामूली आजीविका कमाने वाले विष्णु कुमार प्रजापत ने बताया कि 18 मार्च के नोटिस में उन्हें एक महीने के भीतर 8,98,79,260 रुपए जमा करने का निर्देश दिया गया है। इस नोटिस के मिलने के बाद से वह और उनका परिवार बेहद तनाव में हैं और उन्हें नींद नहीं आ रही है।

विष्णु कुमार प्रजापत का दावा है कि इस भारी गलती को सुधारने के लिए कई सरकारी दफ्तरों में जाने के बावजूद आयकर विभाग के अधिकारियों से उन्हें अभी तक कोई राहत नहीं मिली है। विष्णु कुमार प्रजापत के अनुसार, उन्हें सबसे पहले 11 मार्च, 2025 को बूंदी स्थित आयकर विभाग से एक चौंकाने वाला नोटिस मिला। नोटिस में आरोप लगाया गया था कि उन्होंने वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान सुरेंद्र सिंह बाबेल नामक व्यक्ति के साथ 10.61 करोड़ रुपए के लेन–देन किए थे। हालांकि, विष्णु कुमार प्रजापत ने ऐसे किसी व्यक्ति या लेन–देन के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया है। आयकर और जीएसटी पोर्टल पर रिकॉर्ड की जांच करने पर उन्होंने पाया कि 19 मार्च, 2020 को मुंबई के गिरगांव में भूमिका ट्रेडिंग नामक एक फर्म उनके दस्तावेजों का उपयोग करके पंजीकृत की गई थी। विष्णु को संदेह है कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनके आधार, पैन और अन्य दस्तावेजों का दुरुपयोग करके फर्म को पंजीकृत किया और उनकी जानकारी के बिना वित्तीय लेन–देन किए।

रिकॉर्ड से यह भी पता चलता है कि फर्म ने एक अन्य कंपनी के साथ 2.83 करोड़ रुपए का लेन–देन किया, जिससे उनका कोई संबंध नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ये लेन–देन 19 मार्च, 2020 और 1 फरवरी, 2021 के बीच हुए थे, जिसके दौरान प्रजापत का कहना है कि उन्हें ऐसी किसी भी गतिविधि की कोई जानकारी नहीं थी।

सीएम भजनलाल जोधपुर में रामनवमी शोभायात्रा में हुए शामिल

जोधपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को जोधपुर के घण्टाघर क्षेत्र में भव्य रामनवमी शोभायात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीराम दरबार की पूजा कर प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना की। शर्मा ने कहा कि रामनवमी शोभायात्रा आमजन को संस्कृति से जोड़ने के साथ भाईचारे का भाव पैदा करती है। इससे नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति के मूल्यों का आभास होता है जिससे सनातन को मजबूती मिलती है।उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर का इंतजार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समाप्त किया। उनके नेतृत्व में देश में आस्था स्थलों के विकास को नई गति मिली है।

प्रदेश में गैस और ईंधन की नहीं है कोई कमी : राजेश नागर

चंडीगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश में गैस और ईंधन की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अफवाहें फैलाकर अनावश्यक घबराहट पैदा करने की कोशिश की जा रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। मंत्री ने यह बात आज फरीदाबाद के सेक्टर–12 में गैस और ईंधन आपूर्ति की वर्तमान स्थिति को लेकर आयोजित की गई समीक्षा बैठक में की। इस दौरान जिला के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्र में एलपीजी गैस और पेट्रोल–डीजल की उपलब्धता को लेकर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त हिंदुस्तान पेट्रोलियम तथा भारत पेट्रोलियम के प्रतिनिधि, विभिन्न गैस एजेंसियों के संचालक भी शामिल हुए।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने कहा कि गैस की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सरकार कड़ी कार्रवाई कर रही है। फरीदाबाद सहित अब तक पूरे प्रदेश में 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और आगे भी इस तरह की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को तुरंत रोका जा सके।

महेंद्रगढ़ सरसों बारदाना घोटाला

भाजपा शासन में भ्रष्ट तंत्र की पोल खुली, घोटाले ने पार कीं नई हदें : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। महेंद्रगढ़ में सामने आए सरसों बारदाना घोटाले को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि यह मामला प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का जीता–जागता उदाहरण है। राव नरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि किसानों की मेहनत और हक के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा, सरकार बड़े–बड़े दावे करती है कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि खरीद प्रक्रिया में ही घोटाले हो रहे हैं। बारदाना जैसी बुनियादी व्यवस्था में गड़बड़ी यह साबित करती है कि सिस्टम पूरी तरह से फेल हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि अगर समय रहते पारदर्शिता बरती जाती और निगरानी मजबूत होती, तो इस तरह के घोटाले सामने नहीं आते। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करने और किसानों को हुए नुकसान की भरपाई करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस मामले में ठोस कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

नायब सिंह सैनी ने रबी सीजन 2026–27 की तैयारियों को दिया जोर

550 करोड़ की खरीद में 80 करोड़ की बचत

चंडीगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक में रबी 2026–2027 सीजन के लिए भंडारण व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से महत्व–पूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में 550 करोड़ रुपये से जूट व अन्य बैगों की खरीद के दो एजेंडे थे, नेगोसिएशन करके 80 करोड़ रुपये बचाए गए। गेहूं के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करने के लिए जूट बैगों तथा अन्य बैगों की खरीद को मंजूरी प्रदान की गई। इस निर्णय से राज्य में अनाज भंडारण की क्षमता को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा तथा किसानों से खरीदे गए गेहूं के सुरक्षित रख–रखाव में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। यह खरीद प्रक्रिया खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड तथा हरियाणा राज्य भंडारण निगम की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, समयबद्ध और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा और कृषि उत्पादों के सुरक्षित भंडारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रबी सीजन की तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि मंडियों में आने वाली फसल के प्रबंधन में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। बैठक में हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

वैकल्पिक ऊर्जा है कहां?

ईरान युद्ध के कारण परिस्थितियां ऐसी बनी हैं कि पहली बार जीवाश्म (फॉसिल, कोयला-तेल आदि) ईंधन पर बहस छिड़ी है। यह जलवायु-परिवर्तन के कारण नहीं है, बल्कि तेल-गैस का बाधित करना और उनकी उपलब्धता सीमित होने के मद्देनजर यह बहस छिड़ी है। दुनिया आनन-फानन में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित नहीं कर सकती, क्योंकि वे बेहद सीमित हैं और कई देशों में उपलब्ध ही नहीं हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा का लगातार उत्पादन किया जा रहा है, लिहाजा लोग उनका प्रयोग भी कर रहे हैं। तेल-गैस संकट के इस दौर में सरकार ने मार्च में ही पीएनजी (रसोई में पाइपलाइन गैस) के 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन दिलाए हैं। अब देश में इस गैस के मात्र 1.65 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। देश की आबादी 147 करोड़ से अधिक है। उसमें 33 करोड़ एलपीजी (रसोई गैस) के उपभोक्ता हैं। दरअसल पीएनजी का तो बुनियादी ढांचा ही बेहद सीमित है। पाइपलाइन की सुविधा कुछ बड़े शहरों की गिनी-चुनी कॉलोनियों में ही मौजूद है। तो देश का आम उपभोक्ता वैकल्पिक ऊर्जा की कल्पना भी कैसे कर सकता है, प्रयोग करना तो दूर की कौड़ी है? ईरान युद्ध के कारण तेल-गैस का संकट इतना व्यापक हो गया है कि लोग और व्यावसायिक ठिकाने लकड़ी और कोयले का चूल्हा जलाने पर विचार कर रहे हैं अथवा शुरू कर दिया है। धुआं और प्रदूषण काल की ओर वापसी...! जीवाश्म ईंधनों पर भारत की निर्भरता जलवायु-पर्यावरण का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि सुरक्षा-संकट का सरोकार भी है। इस ऊर्जा-संकट से खाद्य-संकट भी जुड़ा है, यह चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं। भारत का आयात-बिल अपने आप में संकटपूर्ण बोझ है। उसमें मध्य-पूर्व देशों की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले भारत का तेल-गैस आयात का बिल उस स्तर तक पहुंच चुका था, जहां एक साल में ही 180 अरब डॉलर तक उछल सकता था। कतर ने 2024-25 में भारत को 1.10 करोड़ टन एलएनजी की आपूर्ति की थी। वह करीब 41 फीसदी थी। तेल-गैस आयात करने के मद्देनजर हमारी अर्थव्यवस्था उन क्षेत्रों और समुद्री मार्गों पर आश्रित हो गई, जहां हमारा या आपूर्ति करने वाले देशों की भूमिका या दखल सीमित है। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मंगलवार को फोन पर बातचीत हुई। उसमें प्रधानमंत्री ने शिपिंग मार्ग के खुले और सुरक्षित होने का मुद्दा भी उठाया था। जिस तरह होर्मुज समुद्री मार्ग में ईरान ने बारूदी सुरंगें बिछा रखी हैं और मार्ग अवरुद्ध है, उसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार्य नहीं माना। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी सहमति जताई। भारत के अभी तक 6 जहाज होर्मुज को पार कर चुके हैं, लेकिन अब भी 20 जहाज समुद्र में ही फंसे हैं। मौजूदा संकट के कारण भारतीय जीडीपी की विकास दर 4 फीसदी तक गिर सकती है, यह आकलन 'मूडीज' का है, जबकि गोल्डमैन सैश का आकलन है कि भारत की विकास दर 7 फीसदी से घट कर 5.9 फीसदी तक आ सकती है। महंगाई भी बढ़ सकती है। हम रूस, अमरीका, अफ्रीका, ओमान और लाल सागर के रास्ते हररोज कच्चा तेल आयात कर रहे हैं। युद्ध के बाद भी 18 लाख बैरल तेल हररोज आ रहा है, जबकि युद्ध से पहले 30-35 लाख बैरल तेल आता था। यह सुखद है कि भारत में पेट्रोल-डीजल पर कोई राशनिंग नहीं है, लेकिन गैस को लेकर है, क्योंकि गैस का अधिकतम भंडारण मात्र पौने दो दिन का ही कर सकते हैं। ओडिशा और कर्नाटक में तेल के भंडारण बनाने की बात करीब 5 साल पहले उठी थी, लेकिन आज भी 'शून्य' स्थिति है। हमें खाद भी मोरक्को जैसे देश से मंगवानी पड़ रही है। यदि अब भी युद्ध लंबा खिंचा, तो हमारा चालू खाता घाटा 2.2 फीसदी तक हो सकता है। बहरहाल स्थितियां अच्छी नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी संसद में अपने वक्तव्य में कहा है कि युद्ध के बाद भी, युद्ध के असर, लंबे वक्त तक हो सकते हैं, इसकी प्रबल आशंका है।

दुनिया आनन-फानन में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित नहीं कर सकती, क्योंकि वे बेहद सीमित हैं और कई देशों में उपलब्ध ही नहीं हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा का लगातार उत्पादन किया जा रहा है, लिहाजा लोग उनका प्रयोग भी कर रहे हैं। तेल-गैस संकट के इस दौर में सरकार ने मार्च में ही पीएनजी (रसोई में पाइपलाइन गैस) के 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन दिलाए हैं। अब देश में इस गैस के मात्र 1.65 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। देश की आबादी 147 करोड़ से अधिक है। उसमें 33 करोड़ एलपीजी (रसोई गैस) के उपभोक्ता हैं। दरअसल पीएनजी का तो बुनियादी ढांचा ही बेहद सीमित है। पाइपलाइन की सुविधा कुछ बड़े शहरों की गिनी-चुनी कॉलोनियों में ही मौजूद है। तो देश का आम उपभोक्ता वैकल्पिक ऊर्जा की कल्पना भी कैसे कर सकता है, प्रयोग करना तो दूर की कौड़ी है? ईरान युद्ध के कारण तेल-गैस का संकट इतना व्यापक हो गया है कि लोग और व्यावसायिक ठिकाने और कोयले का चूल्हा जलाने पर विचार कर रहे हैं अथवा शुरू कर दिया है। धुआं और प्रदूषण काल की ओर वापसी...! जीवाश्म ईंधनों पर भारत की निर्भरता जलवायु-पर्यावरण का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि सुरक्षा-संकट का सरोकार भी है। इस ऊर्जा-संकट से खाद्य-संकट भी जुड़ा है, यह चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं। भारत का आयात-बिल अपने आप में संकटपूर्ण बोझ है।

संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का वादा किया है, लेकिन यह सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या यह वादा वास्तव में हर नागरिक तक समान रूप से पहुँच पाया

मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय—हक़ या केवल सपना?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत का लोकतंत्र विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान रखता है। यह केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं, अधिकारों और सपनों का प्रतिबिंब है। संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का वादा किया है, लेकिन यह सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या यह वादा वास्तव में हर नागरिक तक समान रूप से पहुँच पाया है? क्या आज भी एक गरीब और एक अमीर व्यक्ति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय की सुविधाएँ बराबर हैं? यदि नहीं, तो यह स्वीकार करना होगा कि हमारा लोकतंत्र अभी भी अधूरा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। दवाइयों को ब्रांड के बजाय "साल्ट" के आधार पर उपलब्ध कराने की पहल ने यह साबित किया है कि सही नीति और नीयत के साथ आम जनता को बड़ी राहत दी जा सकती है। सस्ती दवाइयाँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम बनती हैं। यह एक उदाहरण है कि जब सरकार समानता को केंद्र में रखकर काम करती है, तो बदलाव संभव है। यही सोच यदि शिक्षा और न्याय जैसे क्षेत्रों में भी लागू की जाए, तो देश की तस्वीर बदल सकती है। शिक्षा आज के समय में केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक उन्नति का सबसे बड़ा साधन है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में शिक्षा की व्यवस्था दो भागों में बंटी हुई है—एक ओर महंगे निजी स्कूल और संस्थान हैं, जहाँ विश्वस्तरीय सुविधाएँ और संसाधन उपलब्ध हैं, और दूसरी ओर सरकारी स्कूल हैं, जहाँ कई जगह बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। यह विभाजन केवल संस्थानों का नहीं, बल्कि अवसरों का विभाजन है। एक अमीर परिवार का बच्चा जिस स्तर की शिक्षा प्राप्त करता है, वह एक गरीब परिवार के बच्चे के लिए अक्सर एक सपना बनकर रह जाता है। ऐसी स्थिति में यह विचार स्वाभाविक रूप से सामने आता है कि क्यों न पूरे देश में एक समान शिक्षा प्रणाली लागू की जाए। एक ऐसा ढांचा, जहाँ हर कक्षा के लिए एक जैसी किताबें हों, एक जैसा पाठ्यक्रम हो और हर बच्चे को समान अवसर मिले। इससे शिक्षा के स्तर में संतुलन आ सकता है और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी एक समान आधार तैयार हो सकता है। यह व्यवस्था न केवल सामाजिक समानता को बढ़ावा देगी, बल्कि देश की प्रतिभाओं को भी एक समान मंच प्रदान करेगी। हालाँकि, यह भी समझना आवश्यक है कि भारत की विविधता इतनी व्यापक है कि पूरी तरह एकरूप शिक्षा प्रणाली लागू करना सरल नहीं है। अलग-अलग राज्यों की भाषाएँ, संस्कृतियाँ और स्थानीय आवश्यकताएँ हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए एक "कॉमन कोर" के साथ-साथ क्षेत्रीय लचीलापन भी जरूरी है, ताकि समानता और विविधता के बीच संतुलन बना रहे।

संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का वादा किया है, लेकिन यह सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या यह वादा वास्तव में हर नागरिक तक समान रूप से पहुँच पाया है? क्या आज भी एक गरीब और एक अमीर व्यक्ति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय की सुविधाएँ बराबर हैं? यदि नहीं, तो यह स्वीकार करना होगा कि हमारा लोकतंत्र अभी भी अधूरा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। दवाइयों को ब्रांड के बजाय "साल्ट" के आधार पर उपलब्ध कराने की पहल ने यह साबित किया है कि सही नीति और नीयत के साथ आम जनता को बड़ी राहत दी जा सकती है। सस्ती दवाइयाँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम बनती हैं। यह एक उदाहरण है कि जब सरकार समानता को केंद्र में रखकर काम करती है, तो बदलाव संभव है। यही सोच यदि शिक्षा और न्याय जैसे क्षेत्रों में भी लागू की जाए, तो देश की तस्वीर बदल सकती है।

स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। निजी अस्पतालों की ऊँची फीस आम आदमी के लिए एक बड़ी बाधा है, जबकि सरकारी अस्पतालों में भीड़, संसाधनों की कमी और लंबी प्रतीक्षा जैसी समस्याएँ हैं। कई बार एक साधारण बीमारी भी आर्थिक संकट का कारण बन जाती है। ऐसे में यह विचार सामने आता है कि यदि सभी अस्पतालों का राष्ट्रीयकरण कर उन्हें एक समान व्यवस्था के अंतर्गत लाया जाए, तो हर व्यक्ति को समान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकती हैं। डॉक्टरों और कर्मचारियों को सरकार द्वारा वेतन दिए जाने से सेवा का भाव बढ़ सकता है और मुनाफाखोरी पर अंकुश लग सकता है। न्याय व्यवस्था भी लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, लेकिन आम नागरिक के लिए न्याय तक पहुँचना आज भी एक कठिन प्रक्रिया है। न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या, कानूनी प्रक्रियाओं की जटिलता और वकीलों की ऊँची फीस—ये सभी मिलकर न्याय को महंगा और दूर बना देते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए न्याय प्राप्त करना कई बार असंभव जैसा हो जाता है। यदि न्याय व्यवस्था को सरल, सुलभ और निशुल्क बनाया जाए, तो यह लोकतंत्र के वास्तविक अर्थ को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इन सभी क्षेत्रों—शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय—का पूर्ण राष्ट्रीयकरण एक आदर्श समाधान प्रतीत होता है। एक ऐसी व्यवस्था, जहाँ सरकार सभी संस्थानों को अपने नियंत्रण में लेकर सभी कर्मचारियों को वेतन दे और सेवाओं को निशुल्क एवं समान रूप से उपलब्ध कराए। यह विचार सुनने में आकर्षक है और एक न्यायपूर्ण समाज की कल्पना को मजबूत करता है। लेकिन इसके साथ कई व्यावहारिक चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ी चुनौती है आर्थिक संसाधनों की। पूरे देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय को पूरी तरह निशुल्क और उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराना एक बहुत बड़ा वित्तीय दायित्व है। इसके लिए सरकार को अपने बजट में बड़े स्तर पर बदलाव करने होंगे, कर व्यवस्था को मजबूत करना होगा और संसाधनों का कुशल प्रबंधन करना होगा। दूसरी चुनौती है गुणवत्ता और जवाबदेही की। पूरी व्यवस्था सरकारी होने पर कई बार कार्यकुशलता में कमी आ जाती है। निजी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा कई बार सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। यदि पूरी व्यवस्था केवल सरकार के हाथ में होगी, तो नवाचार और सुधार की गति धीमी पड़ सकती है। इसके अलावा, प्रशासनिक स्तर पर भी इतनी बड़ी व्यवस्था को संचालित करना आसान नहीं है। भ्रष्टाचार, लापरवाही और संसाधनों के दुरुपयोग जैसी समस्याएँ भी सामने आ सकती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि किसी भी नीति को लागू करते समय इन संभावित चुनौतियों का समाधान पहले से ही तैयार किया जाए। इस परिप्रेक्ष्य में एक संतुलित दृष्टिकोण अधिक व्यावहारिक और प्रभावी हो सकता है। सरकार को चाहिए कि वह शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय के क्षेत्र में मजबूत सार्वजनिक ढांचा तैयार करे, जहाँ हर नागरिक को न्यूनतम स्तर की उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ सुनिश्चित हों। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र को पूरी तरह समाप्त करने के बजाय उसे सख्त नियमों, पारदर्शिता और जवाबदेही के दायरे में रखा जाए। शिक्षा में एक समान "कॉमन कोर करिकुलम" लागू किया जा सकता है, जिससे पूरे देश में बुनियादी स्तर पर समानता सुनिश्चित हो, जबकि क्षेत्रीय विषयों और भाषाओं के लिए लचीलापन रखा जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में "यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज" की दिशा में काम किया जा सकता है, जिससे हर नागरिक को बुनियादी इलाज मुफ्त या अत्यंत सस्ती दरों पर उपलब्ध हो। न्याय व्यवस्था में डिजिटल तकनीक और सरल प्रक्रियाओं के माध्यम से पारदर्शिता और गति लाई जा सकती है। अंततः, लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों में नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में निहित होती है। जब तक एक गरीब व्यक्ति अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा नहीं दिला सकता, जब तक वह बीमारी के समय उचित इलाज नहीं पा सकता, और जब तक उसे समय पर न्याय नहीं मिल सकता—तब तक लोकतंत्र का सपना अधूरा ही रहेगा। यह समय केवल विचार करने का नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाने का है। समान शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य और निष्पक्ष न्याय केवल आदर्श नहीं, बल्कि एक सशक्त और समावेशी लोकतंत्र की आधारशिला हैं। यदि हम इन क्षेत्रों में वास्तविक समानता स्थापित कर पाते हैं, तो न केवल लोकतंत्र पूर्ण होगा, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक संरचना भी मजबूत होगी। अब प्रश्न यह नहीं है कि यह लक्ष्य कठिन है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम इसे प्राप्त करने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति दिखाने को तैयार हैं। यदि उत्तर 'हाँ' है, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत का लोकतंत्र केवल कागजों पर नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन में समान रूप से दिखाई देगा।

कुछ अलग

जिंदा लोगों की कतार में

सरकार का कथन है कि उसने बेकारी की समस्या को हल कर दिया है। हल कर दिया है अनुकम्पा उर्फ मुफ्त रेवडियां बांटने की शार्ट कट संस्कृति से। यह दीगर बात है कि इस संस्कृति के पल्लवित होने के साथ-साथ कर्म संस्कृति लुप्त हो गई है। काम के सूचकांक बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक भारत के लोग काम की जगह आराम को पसंद करते हैं। चाहे 'आराम हराम है' का सबसे ऊंचा नारा भारत में लगाया जाता है, लेकिन जगह-जगह फलदार बेरियों के नीचे आपको निष्क्रिय लोग लेटे हुए नजर आते हैं। ये वहां निस्पन्द लेट कर अपनी छातियों पर कोई बेर गिरने का इंतजार करते हैं। बेर गिर जाए तो वे लेटे लेटे पास से गुजरते आदमी को कहते हैं, 'भाई मेरी छाती से उठा कर यह बेर मेरे मुंह में डाल दो।' रहगुजर उस बेर को उठा कर अपने मुंह में डाल लेता है, और कालांतर में सत्ता का दलाल कहलाता है। बाद में आपके लिए बाकी रह जाता है एक ही काम कि साबित करो कि आप अभी जिंदा हो, और इन बेरियों से टपकते बेर खाने के काबिल हो। असमर्थ रहने पर आपका नाम बेर उपकृत संस्कृति से काट दिया जाता है, और आपकी जगह किसी दूसरे को मिल जाती है। वैकल्पिक रूप से उपलब्ध हो जाना यहां कोई समस्या नहीं है। भारी आबादी है, एक तलाशने पर हजार मिलते हैं। यह एक की जगह हजार का मिलना ही सबसे बड़ी समस्या है, इसलिए आजकल जिंदा लोगों में मर चुके लोगों की तलाश हो रही है, अर्थात सब सूचियों को पुनरीक्षित किया जा रहा है। आजकल राज्य-राज्य में वोट सूचियों को पुनरीक्षित किया जा रहा है। इसके बाद मनरेगा सूचियों की पड़ताल होगी।

देश दुनिया से

करुणा की साधना

रूसी लेखक एंटोन चेखव की कहानी 'मिजरी', यानी, कष्ट को विश्व प्रसिद्ध कहानियों में गिना जाता है। इस कहानी का मुख्य पात्र आयोन पोटापोव नामक एक बूढ़ा तांगे वाला है, जो अपने बेटे की मौत के दुख से टूट चुका है। वह बर्फीली रात में ग्राहकों को ले जाता है और उन्हें अपने बेटे की मृत्यु के बारे में बताने की कोशिश करता है क्योंकि वह किसी से अपना दर्द साझा करना चाहता है, लेकिन कोई भी उसकी बात नहीं सुनता और उल्टे अपने दुखों की चर्चा करने लगता है। लोगों के इस रुख से वह इतना परेशान हो जाता है कि अंत में वह अपने घोड़े के पास जाता है, उसे अपना दुख सुनाता है, और उसके साथ लिपट कर अपना मन हल्का करता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, यह एक स्थिति है जिसे हम सभी कभी न कभी भुगतते ही हैं। कभी-कभी मनुष्य के जीवन में दुख इतना गहरा उतर जाता है कि वह किसी का सहारा खोजता है, वह बस इतना ही चाहता है कि कोई उसकी बात सुन ले। आयोन पोटापोव उसी अवस्था का प्रतीक है। उसका दुख कोई दर्शन नहीं मांगता, कोई समाधान नहीं चाहता, वह केवल साझेदारी चाहता है। पर संसार समाधान सुनने का आदी है, दुख सुनने का नहीं। आज का समाज अपने दुखों में, अपने स्वार्थों में, अपने छोटे-छोटे अहंकारों में व्यस्त है। वहां किसी दूसरे के शोक के लिए स्थान नहीं है। आयोन जब अपने बेटे की मृत्यु का उल्लेख करता है, तो सामने वाला उसे अपने जीवन की समस्या सुनाने लगता है। यह केवल कहानी नहीं है, यह मानव-स्वभाव का आईना है। आयोन का दुख इसलिए असह्य नहीं है कि उसका बेटा मर गया, बल्कि इसलिए है कि वह उसे किसी से बांट नहीं पा रहा। दुख बांटने से हल्का होता है, पर जब बांटने का पात्र न मिले, तो दुख बोझ बन जाता है। हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि मनुष्य को यहां सबसे पहले समाधान नहीं, सहानुभूति चाहिए होती है। घोड़ा उत्तर नहीं देता, सलाह नहीं देता, बस उपस्थित रहता है। यही उपस्थिति आयोन को राहत देती है। यहां कोई ज्ञान नहीं, कोई उपदेश नहीं, केवल मौन है और वही मौन औषधि बन जाता है। यह कहानी दुख की नहीं, अनसुनेपन की है। आयोन रो नहीं रहा, चिल्ला नहीं रहा, वह केवल कहना चाहता है कि उसका बेटा मर गया है। लेकिन दुनिया सुनने के लिए रुकी हुई नहीं है। हर आदमी अपने ही नाटक में व्यस्त है। यह एक मनोवैज्ञानिक सत्य है कि मनुष्य तभी सुन सकता है जब वह भीतर से खाली हो। जो स्वयं दुखों से भरा है, वह दूसरे के दुख के लिए जगह कहां बनाए? इसलिए आयोन को कोई नहीं सुनता। अंत में वह घोड़े से बात करता है, क्योंकि घोड़े का मन खाली है। यह कहानी कहती है कि संवाद शब्दों से नहीं, उपस्थिति से होता है। घोड़ा समझता नहीं, फिर भी सुन लेता है। मनुष्य समझने का दावा करता है, पर सुन नहीं पाता। यही विडंबना है।

वह बर्फीली रात में ग्राहकों को ले जाता है और उन्हें अपने बेटे की मृत्यु के बारे में बताने की कोशिश करता है क्योंकि वह किसी से अपना दर्द साझा करना चाहता है, लेकिन कोई भी उसकी बात नहीं सुनता और उल्टे अपने दुखों की चर्चा करने लगता है। लोगों के इस रुख से वह इतना परेशान हो जाता है कि अंत में वह अपने घोड़े के पास जाता है, उसे अपना दुख सुनाता है, और उसके साथ लिपट कर अपना मन हल्का करता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, यह एक स्थिति है जिसे हम सभी कभी न कभी भुगतते ही हैं। कभी-कभी मनुष्य के जीवन में दुख इतना गहरा उतर जाता है कि वह किसी का सहारा खोजता है, वह बस इतना ही चाहता है कि कोई उसकी बात सुन ले।

दार्शनिक दृष्टि से यह कहानी मानव-अस्तित्व की उस स्थिति को उजागर करती है जहां व्यक्ति समाज के बीच रहते हुए भी अकेला होता है। आयोन का अकेलापन भौतिक नहीं, अस्तित्वगत है। वह लोगों के बीच है, पर संबंध में नहीं। आधुनिक समाज में संवाद एकतरफा हो गया है। हर व्यक्ति बोलना चाहता है, पर कोई सुनना नहीं चाहता। किसी का दुख सुन लेना करुण चेतना की अवस्था है, बुद्धि की नहीं। यहां हम दिमाग से नहीं, दिल से काम ले रहे होते हैं। मनोविज्ञान कहता है कि शोक का सबसे आवश्यक चरण है दुख को शब्द देना। आयोन बार-बार प्रयास करता है, पर असफल रहता है। इससे उसका शोक बढ़ जाता है। जब वह घोड़े से बात करता है, तो उसका मस्तिष्क पहली बार भावनात्मक राहत अनुभव करता है। इससे स्पष्ट होता है कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि सुन कौन रहा है, बल्कि महत्त्वपूर्ण यह है कि कोई सुन रहा है। भारतीय जीवन-दर्शन दुख को समस्या नहीं मानता, वह उसे अवस्था मानता है। यही कारण है कि हमारे यहां दुख के लिए तुरंत उत्तर नहीं दिए जाते, दुख के साथ बैठा जाता है। चेखव की कहानी इसी अंतर को तीखेपन से उजागर करती है। आयोन जिस किसी को भी अपने बेटे की मृत्यु के बारे में बताता है, वह उसे सुनने के बजाय अपनी कहानी सुना देता है। यहां संवाद नहीं, प्रतिस्पर्धा है कि किसका दुख बड़ा है। भारतीय दृष्टि में यह अहम का खेल है, जहां करुणा के लिए स्थान नहीं बचता। गीता का बोध हमें बताता है कि मनुष्य का संतुलन तब टूटता है जब वह केवल अपने अनुभवों में बंद हो जाता है। दूसरे के अनुभव में प्रवेश करने की क्षमता ही करुणा है जो संतुलन को पुनः स्थापित करती है। करुणा कोई भावुकता नहीं है, यह चेतना की परिपक्वता है। आयोन को करुणा नहीं मिलती, इसलिए उसका दुख भारी होता जाता है। दुख स्वयं भारी नहीं होता, उसे अकेले ढोना भारी बना देता है। गीता दुख के समय उपदेश देने के बजाय स्थिति में ठहरने की शिक्षा देती है। यही कारण है कि भारतीय जीवन-दर्शन में मौन का महत्व इतना अधिक है। मौन शून्यता नहीं है, मौन संपूर्ण स्वीकार है। जब कोई व्यक्ति दुख में होता है, तब उसे तर्क नहीं चाहिए, सलाह नहीं चाहिए, उसे यह अनुभूति चाहिए कि उसका दुख वैध है, कि वह देखा जा रहा है। सुनना मतलब अपने भीतर जगह बनाना। जो व्यक्ति सुनता है, वह अपने अहम को थोड़ी देर के लिए हटाता है। समाज में यही सबसे दुर्लभ है। गीता यह भी सिखाती है कि अहम सबसे बड़ा अवरोध है। जो व्यक्ति हर समय बोलना चाहता है, वह खुद को सबसे बड़ा ज्ञानी मानता है, वह चाहता है कि लोग उसकी बातें सुनें, उसके ज्ञान का आदर करें, वह सुन नहीं सकता, वह किसी का दुख भी सुन नहीं सकता। आयोन भी बोलना चाह रहा है, पर वह ज्ञान नहीं बांट रहा। आयोन अहंकार में नहीं है, दुख में है। आयोन के ग्राहक बोलते हैं, इसलिए वे सुन नहीं पाते। घोड़ा नहीं बोलता, इसलिए वह सुन लेता है। यह प्रतीक अत्यंत गहरा है। यह बताता है कि करुणा बुद्धि की नहीं, भावना की उपज है। आयोन जब अपने घोड़े को अपना दुख बताता है तो इस दृश्य में एक बूढ़ा व्यक्ति है और उसका घोड़ा, और बीच में बहता हुआ मौन।

आप का नज़रिया

इधर चलो या उधर चलें

सदन के बाहर और भीतर प्रदेश की प्राथमिकताओं का ढेर उठाएं भी तो कैसे। ऐसा लगने लगा है कि हम वक्त गुजार रहे या वक्त को धकेल रहे हैं। हम ऐसी नौका में सवार हैं जिसका कोई गंतव्य नहीं। सियासत कहती है इधर चलो, उधर निकल जाते हैं। हिमाचल का जोगिंद्रनगर-पठानकोट रेल मार्ग अपने हाल पर रो रहा है। यूं तो सांसद हमें कह रहे हैं कि एक दिन रेल की पटरियां चौड़ी हो जाएंगी, लेकिन हकीकत यह कि पठानकोट का सफर जोगिंद्रनगर पहुंचता नहीं। किसने रोकी कांगड़ा घाटी की रेल। कौन संसद में कर रहा खोखली बात। आश्चर्य है कि जहां पटरी है, वहां ट्रेन चल नहीं रही और राजनीतिक सपने कह रहे कि उधर देखो, कल तमाशा होने वाला है। कुछ यही हाल शिमला-कांगड़ा और पठानकोट-मंडी फोरलेन का भी है। पता नहीं कब जसूर और मलां के फ्लाईओवर पूरा न होने की जिद्द छोड़ेंगे। अड़ियल विकास के स्तंभ कई जगह दिखाई दे रहे हैं। कांगड़ा से निकला फोरलेन सुरंग तक नहीं पहुंच रहा है। बड़े-बड़े पुल बन गए, सुरंगें बन गईं, लेकिन सफर जुड़ नहीं रहा। उधर पिंजौर-बद्दी-नालागढ़ फोरलेन का एक टेंडर हजारों शिकायतें दोहरा कर भी पूरा नहीं हो रहा। प्रदेश में ही देखेंगे तो कई अधूरी इमारतें, तो कई बन के भी उदास हैं, फिर भी आजमाइश में सिलसिला चल रहा है। हर बार अपने मुहाने पर धर्मशाला के जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर अपनी शव यात्रा निकालता है, मगर कोई रोता नहीं। न कांग्रेस और न ही भाजपा। कई नेता बदल गए, सरकारें बदल गईं, लेकिन राजनीति का व्यवहार हर बार निर्दोष साबित होता है। परियोजना रोकने की मासूमियत भी बड़ी अजीब होती है। हम प्रदेश में बनते-बिगड़ते संस्थानों को देखते रहे हैं, लेकिन इस सदी का सबसे घटिया मजाक धर्मशाला का केंद्रीय विश्वविद्यालय है और यह जिद्द है या दस्तूर कि एक परिसर की मौत के बाद जनाजा भी उठ नहीं रहा। कहानी तत्कालीन भाजपा सरकार से शुरू हुई और मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, सांसद अनुराग ठाकुर, स्व. किशन कपूर, जयराम ठाकुर से लेकर सुखविंदर सुक्खू सरकार तक पहुंच गई। हिमाचल का सारा बजट इसी परिसर पर आकर खत्म हो रहा है, तो विकास भी मुंह छिपाता होगा। धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर राजनीति को क्यों नहीं सुहाता, जबकि यहां करीब पंद्रह हजार छात्र बाहर से आकर रह रहे हैं। शहर में तीन दर्जन निजी पुस्तकालय व कई प्रतियोगी व प्रवेश परीक्षाओं पर केंद्रित अकादमियां हैं। एक जिला मुख्यालय की विडंबना यह कि यहां से मेडिकल कालेज की संभावना के बाद विश्वविद्यालय का अस्तित्व भी मिटाया गया। यही हिसाब पर्यटन परियोजनाओं का भी पूरे प्रदेश में दिखाई देता है। राजनीतिक घंटियां बांध कर कई संस्थान खड़े तो होते हैं, लेकिन गिरते धड़ाम से। नूरपुर में दो बार पर्यटन परिसर उजड़ गए और भागसूनाग का कैफे बिक कर मॉल बन जाता है। बैजनाथ के कैफे को निजी हाथों का कबाड़ केंद्र किसने बनाया। आंखें थक जाती हैं कि कभी बीड़-बिलिंग का पैराग्लाइडिंग संस्थान अपनी आंख खोलेगा। अब बात छोटी सी है कि नयनादेवी परिसर में लिफ्ट लगाना कितनी जरूरी है, लेकिन एक पक्ष कहता है, इधर देखो, दूसरा कहता है उधर देखो। विडंबना यह है कि हिमाचल में एकपक्षीय विकास का सिलसिला चल रहा है। हर सरकार के कार्यकाल में कुछ विशेष क्षेत्रों में विकास जीत जाता है, कहीं हरा दिया जाता है और कहीं थोंप दिया जाता है। नाहन में बनते मेडिकल कालेज की बिल्डिंग को देखें, तो पूछना पड़ेगा कि जमीन किस टोडरमल ने चयनित की। अब शहर से बाहर जमीन खोजी जा रही है, तो जो बन गई उन इमारतों के मलबे में किसकी फिजूलखर्ची ढूंढी जाएगी। यह बहुमत की जिद्द है, राजनीति का वर्चस्व या खोखला अहंकार जो हिमाचल में विकास को विकास से उलझाता है। कुछ विधायक इन विषयों पर बोलना चाहते हैं, लेकिन प्रदेश सुनता नहीं। प्रदेश को चाहिए अंधा-बहरा विकास और अंधी-बहरी घोषणाएं। यह अंधकार है, क्योंकि सूरज को पर्दे में रखकर हम अपने भविष्य के मुगालतों में रहना सीख गए हैं।

हिमाचल का जोगिंद्रनगर-पठानकोट रेल मार्ग अपने हाल पर रो रहा है। यूं तो सांसद हमें कह रहे हैं कि एक दिन रेल की पटरियां चौड़ी हो जाएंगी, लेकिन हकीकत यह कि पठानकोट का सफर जोगिंद्रनगर पहुंचता नहीं। किसने रोकी कांगड़ा घाटी की रेल। कौन संसद में कर रहा खोखली बात। आश्चर्य है कि जहां पटरी है, वहां ट्रेन चल नहीं रही और राजनीतिक सपने कह रहे कि उधर देखो, कल तमाशा होने वाला है। कुछ यही हाल शिमला-कांगड़ा और पठानकोट-मंडी फोरलेन का भी है। पता नहीं कब जसूर और मलां के फ्लाईओवर पूरा न होने की जिद्द छोड़ेंगे। अड़ियल विकास के स्तंभ कई जगह दिखाई दे रहे हैं। कांगड़ा से निकला फोरलेन सुरंग तक नहीं पहुंच रहा है। बड़े-बड़े पुल बन गए, सुरंगें बन गईं, लेकिन सफर जुड़ नहीं रहा। उधर पिंजौर-बद्दी-नालागढ़ फोरलेन का एक टेंडर हजारों शिकायतें दोहरा कर भी पूरा नहीं हो रहा। प्रदेश में ही देखेंगे तो कई अधूरी इमारतें, तो कई बन के भी उदास हैं, फिर भी आजमाइश में सिलसिला चल रहा है। हर बार अपने मुहाने पर धर्मशाला के जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर अपनी शव यात्रा निकालता है, मगर कोई रोता नहीं। न कांग्रेस और न ही भाजपा। कई नेता बदल गए, सरकारें बदल गईं, लेकिन राजनीति का व्यवहार हर बार निर्दोष साबित होता है।

दृष्टि कोण

खंडित वैश्विक परिदृश्य में भारत की विशेष भूमिका

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाएं शायद ही कभी एक ही पल में ढहती हैं; वे धीरे-धीरे कमज़ोर होती हैं। वर्ष 1945 के बाद जो ढांचा बनाया गया था, उसकी रूपरेखा में विनाशकारी अस्थिरता को रोकने के लिए शक्ति का निर्वाह नियमबद्ध ढंग से और प्रगति को अनुमानित प्रारूप से उकेरा गया था। दशकों तक, यह रूपरेखा कायम रही। तथापि, अपने शैशवकाल में भी, इस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाओं की छाप साथ चलती रही। जिन देशों को इस व्यवस्था को बनाए रखने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी, वे अक्सर समानांतर रणनीतिक एजेंडे अपनाते थे, जिन नियमों को खुद लिखा था उनकी परीक्षा लेते रहे। तत्पश्चात नियमों का चयनात्मक पालन सामान्य बन गया। शीत युद्ध ने प्रतिद्वंद्विता के माध्यम से अनुशासन थोपे रखा; दुनिया बंटी हुई थी, लेकिन गुटों की अनुमानित स्थिति के कारण स्थिरता बनी रही। सोवियत संघ के पतन के बाद कुछ समय के लिए एक 'एक-ध्रुवीय' दौर आया, जिसमें वैश्वीकरण की गति तेज़ हुई और आपूर्ति शृंखलाएं महाद्वीपों तक फैलीं।

रणनीतिक तनाव के कारण : इस विस्तार के भीतर ही तनाव के बीज छिपे थे। परस्पर निर्भरता बढ़ी, लेकिन साथ ही विषमता भी। दक्षता की ललक, सहनशीलता से कहीं ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ी। जिन नेटवर्कों ने समृद्धि लाने में मदद की, उन्होंने ही जोखिम भी पैदा कर दिया, जिसमें अपना फ़ायदा ज़बरन या महत्त्वपूर्ण वस्तुओं को रोककर उठाया जा सकता था। आर्थिक एकीकरण, जिसे कभी एक स्व-स्थिरकारी माना जाता था, अब तेज़ी से प्रतिस्पर्धा के रूप में सामने आने लगा। आज ढांचा खड़ा तो है, लेकिन इसका अधिकार क्षेत्र सीमित हो गया। नियम का जिक्र तो किया जाता है, लेकिन लागू चुनिंदा ढंग से ही होते हैं। हम जो देख रहे हैं, वह कोई अचानक आया पतन नहीं बल्कि जो अनुशासन कभी व्यवस्था के दौरान कायम रहा, उसके प्रति सहमति को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। जैसे-जैसे पुरानी सहमति के स्तंभ कमज़ोर हो रहे हैं, दुनिया नए 'गुरुत्व केंद्र' की तलाश में है। वह गुरुत्व केंद्र कौन प्रदान कर सकता है, यह मामूली सवाल नहीं। बदलती व्यवस्था का बहाव थामने में हरेक शक्ति एक समान समर्थ नहीं। इसके लिए भूगोल, इतिहास, सभ्यतागत स्मृति और संयम रखने के पिछले रिकार्ड को एक साथ मिलाने जरूरत है। इसे एक ऐसी रणनीतिक संस्कृति की भी जरूरत है, जिसकी नीयत किसी और पर अपना वर्चस्व स्थापित करना न हो; संवैधानिक त्वरित सोच की ज़रूरत है, जो एकरूपता थोपने के बजाय विविधता साथ लेकर चले। इसे एक ऐसे बहुलवादी लोकाचार पर आधारित होना चाहिए, जो मुक्त दुनिया के साथ जुड़ाव तो रखे, लेकिन खुद उसमें न डूबे। इन गुणों बगैर भटकाव स्वतः ठीक नहीं होता; बल्कि और गहरा होता जाता है और अक्सर उनको फ़ायदा देने लगता है, जिन्होंने नियम तो गढ़े, लेकिन उन पर अमल न करने के बहाने ढूंढ़ते हैं।

सभ्यता, पैमाना और दायित्व : भारत की सभ्यतागत स्मृति, उसकी भौगोलिक केंद्रीयता के साथ मिलकर, एक विशिष्ट रणनीतिक स्थिति का निर्माण करती है। यह अपने आप में एक महाद्वीप है, उत्तर में हिमालय का प्रश्रय है-ऐसा क्षेत्र जिसने लंबे समय ढाल और मार्ग की भूमिका निभाई। हिमालयी पर्वत शृंखला ने न केवल रक्षा की, बल्कि सदियों व्यापार का मार्ग बना रहा और आक्रमणों को भी सीमित किया; इस प्रक्रिया ने ऐसी सभ्यता को आकार दिया जो अपनी मूल पहचान खोए बिना बाहरी प्रभाव आत्मसात कर लेती है। इसका प्रायद्वीपीय विस्तार साझे समुद्री क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो वैश्विक व्यापार की मुख्य धमनियों में इसकी अहम उपस्थिति यकीनी बनाता है।

आईपीएल का कार्यक्रम

मैच	तारीख	समय	टीम	बनाम	स्थान
1	28-मार्च	19:30	सनराइजर्स हैदराबाद	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बंगलूरू
2	29-मार्च	19:30	कोलकाता नाइट राइडर्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
3	30-मार्च	19:30	चेन्नई सुपर किंग्स	राजस्थान रॉयल्स	गुवाहाटी
4	31-मार्च	19:30	गुजरात टाइटंस	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
5	01-अप्रैल	19:30	दिल्ली कैपिटल्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
6	02-अप्रैल	19:30	सनराइजर्स हैदराबाद	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
7	03-अप्रैल	19:30	पंजाब किंग्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
8	04-अप्रैल	15:30	मुंबई इंडियंस	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
9	04-अप्रैल	19:30	राजस्थान रॉयल्स	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
10	05-अप्रैल	15:30	लखनऊ सुपर जायंट्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
11	05-अप्रैल	19:30	चेन्नई सुपर किंग्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बंगलूरू
12	06-अप्रैल	19:30	पंजाब किंग्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
13	07-अप्रैल	19:30	मुंबई इंडियंस	राजस्थान रॉयल्स	गुवाहाटी
14	08-अप्रैल	19:30	गुजरात टाइटंस	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
15	09-अप्रैल	19:30	लखनऊ सुपर जायंट्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
16	10-अप्रैल	19:30	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	राजस्थान रॉयल्स	गुवाहाटी
17	11-अप्रैल	15:30	सनराइजर्स हैदराबाद	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
18	11-अप्रैल	19:30	दिल्ली कैपिटल्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
19	12-अप्रैल	15:30	गुजरात टाइटंस	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
20	12-अप्रैल	19:30	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	मुंबई इंडियंस	मुंबई
21	13-अप्रैल	19:30	राजस्थान रॉयल्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
22	14-अप्रैल	19:30	कोलकाता नाइट राइडर्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
23	15-अप्रैल	19:30	लखनऊ सुपर जायंट्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बंगलूरू
24	16-अप्रैल	19:30	पंजाब किंग्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
25	17-अप्रैल	19:30	कोलकाता नाइट राइडर्स	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
26	18-अप्रैल	15:30	दिल्ली कैपिटल्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बंगलूरू
27	18-अप्रैल	19:30	चेन्नई सुपर किंग्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
28	19-अप्रैल	15:30	राजस्थान रॉयल्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
29	19-अप्रैल	19:30	लखनऊ सुपर जायंट्स	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
30	20-अप्रैल	19:30	मुंबई इंडियंस	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
31	21-अप्रैल	19:30	दिल्ली कैपिटल्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
32	22-अप्रैल	19:30	राजस्थान रॉयल्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
33	23-अप्रैल	19:30	चेन्नई सुपर किंग्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
34	24-अप्रैल	19:30	गुजरात टाइटंस	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बंगलूरू
35	25-अप्रैल	15:30	पंजाब किंग्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
36	25-अप्रैल	19:30	सनराइजर्स हैदराबाद	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
37	26-अप्रैल	15:30	चेन्नई सुपर किंग्स	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
38	26-अप्रैल	19:30	कोलकाता नाइट राइडर्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
39	27-अप्रैल	19:30	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
40	28-अप्रैल	19:30	राजस्थान रॉयल्स	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
41	29-अप्रैल	19:30	सनराइजर्स हैदराबाद	मुंबई इंडियंस	मुंबई
42	30-अप्रैल	19:30	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
43	01-मई	19:30	दिल्ली कैपिटल्स	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
44	02-मई	19:30	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
45	03-मई	15:30	कोलकाता नाइट राइडर्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
46	03-मई	19:30	पंजाब किंग्स	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
47	04-मई	19:30	लखनऊ सुपर जायंट्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
48	05-मई	19:30	चेन्नई सुपर किंग्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
49	06-मई	19:30	पंजाब किंग्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
50	07-मई	19:30	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
51	08-मई	19:30	कोलकाता नाइट राइडर्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
52	09-मई	19:30	गुजरात टाइटंस	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
53	10-मई	15:30	लखनऊ सुपर जायंट्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
54	10-मई	19:30	मुंबई इंडियंस	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रायपुर
55	11-मई	19:30	दिल्ली कैपिटल्स	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
56	12-मई	19:30	सनराइजर्स हैदराबाद	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
57	13-मई	19:30	कोलकाता नाइट राइडर्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रायपुर
58	14-मई	19:30	मुंबई इंडियंस	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
59	15-मई	19:30	चेन्नई सुपर किंग्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
60	16-मई	19:30	गुजरात टाइटंस	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
61	17-मई	15:30	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
62	17-मई	19:30	राजस्थान रॉयल्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
63	18-मई	19:30	सनराइजर्स हैदराबाद	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
64	19-मई	19:30	लखनऊ सुपर जायंट्स	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
65	20-मई	19:30	मुंबई इंडियंस	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
66	21-मई	19:30	गुजरात टाइटंस	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
67	22-मई	19:30	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
68	23-मई	19:30	पंजाब किंग्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
69	24-मई	15:30	राजस्थान रॉयल्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
70	24-मई	19:30	दिल्ली कैपिटल्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता

मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन पर खुशी जतायी, युवा प्रतिभाओं को मिलेगा अच्छा मंच

रायपुर

यहां खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (केआईटीजी) शुरु हो गये हैं जो 3 अप्रैल तक खेले जाएंगे। जिसमें 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ी तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबाल, हाकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती सहित 9 खेलों में उतरेंगे। वहीं प्रदर्शनी खेलों में मल्लखंभ और कबड्डी को भी शामिल किया गया है। इससे आदिवासी क्षेत्रों की उभरती हुई प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिलेगा।

इसी को लेकर ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने खुशी जतायी है। मीराबाई के अनुसार देश भर से आने वाले आदिवासी समाज के खिलाड़ियों के एक मंच पर आने से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। चानू ने कहा, पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन पर मुझे बहुत खुशी हुई है। आदिवासी समुदाय से आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह एक अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी को आगे बढ़ने के लिए काफी प्रयास करने पड़ते हैं, इसलिए इस प्रकार के मंच उसके लिए जरुरी हैं। इस प्रदर्शन से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, इंडिया ट्राइबल गेम्स में उन आदिवासी खिलाड़ियों को मौका मिलेगा, जो अलग-अलग खेल और राज्यों से होंगे। जिस प्रकार हमें राष्ट्रीमण्डल सहित अन्य खेलों में दूसरे खिलाड़ियों से सीखने को मिलता है। वैसा ही अवसर इन खिलाड़ियों को भी मिलेगा।

चानू ने कहा, इन खेलों में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों के लिए मेरा संदेश ये है कि आप भी जो इवेंट में हिस्सा लें, उसे दिल से खेलें। आपको अपने खेल से प्यार करना जरूरी है। मैं युवा खिलाड़ियों को यही कहना चाहूंगी कि वे मेहनत करें और अपनी प्रतिभा दिखाएं। चानू ने आमी कामनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों सहित आने वाले टूर्नामेंटों को लेकर कहा कि मेरी तैयारी अच्छी चल रही है। साथ ही कहा, अभी मेरा इन टूर्नामेंटों की तैयारियों है। मैंने अब तक एशियाई खेलों में पदक नहीं नहीं जीता है। मैं उसी पर अधिक ध्यान दे रही है। वहीं आगामी ओलंपिक के लिए भी मेरी तैयारी जारी है।

ऋतुराज बोले, सैमसन और मैं करेंगे सीएसके की पारी की शुरुआत

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि इस सत्र में वह संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। गायकवाड़ के इस बयान के बाद टीम की सलामी जोड़ी को लेकर लगायी जा रही अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। सैमसन इस सत्र में रायल्स को छोड़कर सीएसके से जुड़ गये थे। ऋतुराज ने कहा कि तीसरे नंबर पर आयुष म्हात्रे उतरेंगे। सैमसन ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि टी20 में वह पारी की शुरुआत के लिए काफी अच्छे हैं। सैमसन ने टी-20 विश्व कप 2026 में में भी काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 300 से अधिक रन बनाये थे। ऐसे में सीएसके को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं गायकवाड़ आईपीएल के पिछले सत्र में केवल पांच मैच ही खेल सके थे। जिसमें उन्होंने 150 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 122 रन बनाए थे। ऐसे में वह इस बार अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करेंगे। चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में बेहद निराशाजनक रहा था। टीम 14 में से सिर्फ 4 ही मैच जीत सकी थी जबकि 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, इस बार टीम ने कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे उसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल मुकाबले इसी माह के अंत में खेले जाएंगे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर चिंताएं बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गईं: मोंटाग्लियानी

अटलांटा

फीफा के उपाध्यक्ष विक्टर मोंटाग्लियानी ने बुधवार को आगामी फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर उठ रही राजनीतिक और सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया है। उनका कहना है कि जैसे ही टूर्नामेंट शुरू होगा, ये सभी मुद्दे पीछे छूट जाएंगे और फोकस केवल फुटबाल पर रहेगा।

यह विश्व कप अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। हालांकि, टूर्नामेंट से पहले कई तरह की चुनौतियां सामने आई हैं, जिनमें मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीतियां और मेक्सिको में गैंग हिंसा जैसी चिंताएं शामिल हैं।

ईरान ने भी संकेत दिए हैं कि वह अमेरिका में अपने मैच नहीं खेलेगा, क्योंकि ट्रंप ने ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चेतावनी दी थी। वहीं, कई देशों के प्रशंसकों ने वीजा मिलने में कठिनाई और इमिग्रेशन एजेंसियों के व्यवहार को लेकर चिंता जताई है।

मोंटाग्लियानी, जो कानकाकाफ के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि इस तरह की भू-राजनीतिक चुनौतियां हर वर्ल्ड कप से पहले सामने आती रही हैं। उन्होंने 1978 के अर्जेंटीना वर्ल्ड कप का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय भी राजनीतिक परिस्थितियां बेहद संवेदनशील थीं।

उन्होंने कहा, हर वर्ल्ड कप में इस तरह के मुद्दे रहे हैं। आज के समय में ये ज्यादा बड़े इसलिए दिखते हैं क्योंकि सोशल मीडिया और मीडिया कवरेज का दायरा बढ़ गया है।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो भी हाल के दिनों में चर्चा में रहे हैं, खासकर ट्रंप के साथ उनके करीबी संबंधों को लेकर। हालांकि, मोंटाग्लियानी ने स्पष्ट किया कि आयोजकों का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मजबूत हो। इसके लिए अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की सरकारों के साथ हमारा समन्वय जरूरी है, ताकि सभी दर्शक सुरक्षित माहौल में मैच का आनंद ले सकें।

मोंटाग्लियानी ने विश्वास जताया कि 11 जून को जैसे ही पहला मैच शुरू होगा, दुनिया भर के लोग बाकी सभी मुद्दों को भूलकर सिर्फ खेल पर ध्यान देंगे।

रोहित और डिकाक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी : बद्रीनाथ

नई दिल्ली। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकाक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकाक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी। डिकाक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था।

टर्बो पेट्रोल इंजन वाली एसयूवी की मांग बढ रही तेजी से

नई दिल्ली

टर्बो पेट्रोल इंजन वाली 7 से 15 लाख रुपये के बजट वाली एसयूवी की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस सेगमेंट में टाटा मोटर्स, किआ और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों के साथ रिनाल्ट भी अपने नए माडल्स के जरिए प्रतिस्पर्धा को और तेज कर रही है।

इस रेंज में स्कोड कायलाक एक किफायती और पावरफुल विकल्प के तौर पर उभर रही है। एमक्यूबी एओ इन प्लेटफार्म पर बनी इस एसयूवी में 1.0 लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है, जो करीब 118एचपी की पावर और 178एनएम का टार्क देता है। इसके साथ मैन्युअल और आटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन विकल्प मिलते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह मजबूत है और इसे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिल चुकी है। इसकी कीमत लगभग 7.59 लाख से 12.99 लाख रुपये के बीच है। वहीं किआ सोनेट अपने फीचर्स और परफार्मेंस के संतुलन के कारण ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो लगभग 118एचपी की पावर और 172एनएम का टार्क जनरेट करता है। आईएमटी और डीसीटी जैसे एडवांस ट्रांसमिशन विकल्प इसे और खास बनाते हैं। इसकी कीमत भी 15 लाख रुपये से कम है, जिससे यह बजट सेगमेंट में एक मजबूत विकल्प बनती है। इसके अलावा रिनाल्ट डस्टर की वापसी भी चर्चा में है। नए अवतार में आने वाली यह एसयूवी टर्बो पेट्रोल इंजन और आधुनिक फीचर्स के साथ बाजार में उतर सकती है, जिससे इसे फिर से ड्राइविंग के शौकीनों के बीच लोकप्रियता मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, अगर आप बजट में एक पावरफुल और मजेदार एसयूवी की तलाश में हैं, तो टर्बो पेट्रोल इंजन वाले ये विकल्प परफार्मेंस, फीचर्स और कीमत के लिहाज से बेहतरीन संतुलन प्रदान करते हैं। टर्बो पेट्रोल इंजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि कम इंजन क्षमता के बावजूद यह ज्यादा पावर और बेहतर टार्क देता है, जिससे शहर और हाईवे दोनों जगह ड्राइविंग का अनुभव बेहतर हो जाता है। यही कारण है कि यह सेगमेंट अब तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। मालूम हो कि भारतीय आटो बाजार में अब ग्राहकों की पसंद तेजी से बदल रही है। लोग सिर्फ माइलेज ही नहीं, बल्कि बेहतर परफार्मेंस और शानदार ड्राइविंग अनुभव को भी प्राथमिकता देने लगे हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय स्टार्टअप्स ने 2025 में जुटाए 9.1 अरब डालर

नई दिल्ली। भारत की प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनियों ने एक साल पहले की तुलना में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 9.1 अरब डालर की रकम जुटाई। रकम जुटाने की यह कवायद और ज्यादा चुनिंदा हो गई है तथा यह नए मुकामों से जुड़ी हुई है। यह कारोबार बढ़ाने वाले और व्यावसायीकरण के लिए तैयार उद्यमों के पक्ष में है। यह रिपोर्ट क्षेत्र के विकास के अगले दौर को आकार देने वाले संरचनात्मक बदलावों पर प्रकाश डालती है। डीपटेक क्षेत्र भारत की नवाचार रफ्तार के अहम स्तंभ के रूप में उभर रहा है। भारत में फिलहाल 4,200 से अधिक डीपटेक स्टार्टअप कपंनियां हैं। इनमें से अकेले साल 2025 में ही स्थापित 550 से अधिक कंपनियां शामिल हैं। साल 2025 में डीपटेक स्टार्टअप कंपनियों ने रकम जुटाने की कवायद में 2.3 अरब डालर जुटाए। इसमें सालाना आधार पर 37 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह पूंजी के अधिक चुनिंदा माहौल के बावजूद निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) डीपटेक के विकास का प्रमुख संचालक बनी हुई है। डीपटेक स्टार्टअप में इसकी 84 प्रतिशत और जुटाई गई रकम में 91 प्रतिशत हिस्सेदारी है और यह तेजी से उद्योगों और उद्यम एप्लीकेशनों में शामिल हो रही है। नैसकाम के एक अधिकारी ने कहा कि भारत का स्टार्टअप तंत्र अब वृद्धि के अधिक अनुशासित चरण में प्रवेश कर रहा है। इसमें अगले नवाचार चक्र के लिए एआई मुख्य अवसंरचना के रूप में केंद्र में है। उन्होंने कहा कि यह उद्यमों के साफ्टवेयर, साइबर सुरक्षा, रक्षा और औद्योगिक प्रणालियों जैसे क्षेत्रों में बड़े स्तर पर एआई बनाने, तैनात करने और व्यावसायीकरण करने की भारत की क्षमता में बढ़ते वैश्विक विश्वास का संकेत है। उन्होंने कहा कि अगला चरण एआई नवाचार का बाजार में इस्तेमाल, बौद्धिक संपदा और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्लेटफार्मों की दिशा में बढ़ने पर निर्भर करेगा ।

बाइक राइडर्स के लिए अनोखी न्यूमेरोलाजी सीरीज पेश

नई दिल्ली। बाइक राइडर्स के लिए हेलमेट निर्माता स्टीलबर्ड हेलमेटस ने एक अनोखी न्यूमेरोलाजी सीरीज पेश की है। इस सीरीज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ग्राहक 01 से 09 तक के अपने पसंदीदा या लकी नंबर के साथ हेलमेट चुन सकते हैं। ये नंबर किसी व्यक्ति के जन्मदिन, उपलब्धि या व्यक्तिगत मान्यताओं से जुड़े हो सकते हैं। कंपनी का उद्देश्य हेलमेट को सिर्फ एक सुरक्षा उपकरण तक सीमित न रखकर उसे राइडर की पहचान और भावनात्मक जुड़ाव का हिस्सा बनाना है। लान्च के मौके पर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव कपूर ने कहा कि यह सीरीज राइडर्स को सुरक्षा के साथ-साथ एक व्यक्तिगत जुड़ाव का अनुभव देने की दिशा में अहम कदम है। फीचर्स की बात करें तो इस हेलमेट में फ्लिप-अप मैकेनिज्म दिया गया है, जिससे राइडर जरूरत के अनुसार फुल-फेस और ओपन-फेस मोड के बीच आसानी से स्विच कर सकते हैं। इसके अलावा डुअल वाइजर सिस्टम भी मौजूद है, जिसमें इनर स्मोक सनशील्ड धूप से आंखों की सुरक्षा करता है, जबकि एंटी-स्क्रैच आउटर वाइजर साफ विजिबिलिटी सुनिश्चित करता है। हेलमेट को हाई-इम्पैक्ट थर्मोप्लास्टिक शेल से तैयार किया गया है, जो बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। इसका एयरोडायनामिक डिजाइन हाई-स्पीड पर स्थिरता बनाए रखता है, वहीं बेहतर वेंटिलेशन और ब्रीथेबल पैडिंग लंबी राइड में आराम देती है।

नया स्मार्टफोन टेक्नो स्पार्क 50 5जी जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली। जल्द ही भारत में टेक्नो कंपनी अपना नया 5जी स्मार्टफोन टेक्नो स्पार्क 50 5जी लान्च करने जा रही है। कंपनी ने इस फोन को पावर का टशन टैगलाइन के साथ टीज किया है, जिससे साफ है कि इसका फोकस दमदार बैटरी और बेहतर परफार्मेंस पर रहेगा। यह स्मार्टफोन 27 मार्च को लान्च होगा और इसकी माइक्रोसाइट ई-कामर्स प्लेटफार्म पर लाइव हो चुकी है। लीक जानकारी के अनुसार, इस फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 6500एमएएच की बड़ी बैटरी होगी, जो लंबे समय तक इस्तेमाल का भरोसा देती है। इसके साथ 45वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मिलने की भी उम्मीद है, जिससे फोन कम समय में चार्ज हो सकेगा। बेहतर कनेक्टिविटी के लिए इसमें यूपीएस 3.0 सिग्नल बूस्टिंग और 4गुणा4 मीमो जैसी तकनीक दी जा सकती है, जो कमजोर नेटवर्क एरिया में भी बेहतर सिग्नल देने में मदद करेगी। कंपनी इस बार एआई फीचर्स पर भी खास ध्यान दे रही है। फोन में एल्ला एआई जैसे स्मार्ट फीचर्स मिल सकते हैं, जिनकी मदद से यूजर्स वाइस कमांड, भाषा अनुवाद और अन्य कार्य आसानी से कर पाएंगे।

ग्लोबल मार्केट में आसमान पर पहुंचा जेट फ्यूल, हवाई सफर पर असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से हवाई सफर बुरी तरह से प्रभावित होने की आशंका बन गई है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण पिछले एक महीने की अवधि में जेट फ्यूल यानी एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में वैश्विक स्तर पर 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी आ गई है। ऐसी स्थिति में विमानन कंपनियों के सामने हवाई यात्रा को महंगा करने की मजबूरी बन गई है।

जेट फ्यूल की बढ़ी कीमत के कारण दबाव का सामना कर रही विमानन कंपनियों ने इस संबंध में केंद्र सरकार से एयरपोर्ट चार्ज में कटौती करने की मांग की है। इन कंपनियों का कहना है कि अगर एयरपोर्ट चार्ज में कटौती नहीं की गई, तो हवाई किराए में उन्हें लगभग दोगुनी बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

फरवरी से लेकर अभी तक की अवधि में जेट फ्यूल की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। 20 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल 95.90 डालर प्रति बैरल के स्तर पर बिक रहा था, जो अब बढ़ कर 197 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है। इस तरह जेट फ्यूल की कीमत में एक महीने की अवधि में दोगुनी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल की कीमत में आई तेजी का असर भारतीय बाजार में भी साफ-साफ नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से सामंजस्य बैठाने और बड़े नुकसान से बचने के लिए भारत की आयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) अप्रैल के महीने में एटीएफ की कीमत में एक बार फिर बड़ी बढ़ोतरी करने का ऐलान कर सकती हैं। ऐसा होने पर पहले ही बढ़े हुए आपरेटिंग कास्ट का सामना कर रही विमानन कंपनियों के आपरेटिंग कास्ट और अधिक बढ़ोतरी हो सकती है। आपरेटिंग कास्ट में बढ़ोतरी होने का असर हवाई टिकट के मूल्य पर भी नजर आ सकता है।

आपरेटिंग कास्ट बढ़ने की आशंका से चिंतित विमानन कंपनियों ने केंद्र सरकार से हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज को कम करने की मांग की है। इसके साथ ही इन कंपनियों ने टैक्स के मोर्चे पर भी केंद्र सरकार से राहत देने का अनुरोध किया है, ताकि जेट फ्यूल की कीमत में बढ़ोतरी होने की वजह से बढ़ी हुई लागत की कुछ हद तक भरपाई की जा सके। हालांकि मौजूदा व्यवस्था के तहत हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज में कटौती होने की संभावना काफी कम मानी जा रही है। जानकारों का कहना है कि देश के ज्यादातर प्रमुख हवाई अड्डों को निजी कंपनियां संचालित कर रही हैं। ऐसी स्थिति में वे किसी भी तरह की छूट देने का विरोध कर सकती हैं। जानकारों का कहना है कि किसी भी एयरलाइन के कुल आपरेटिंग कास्ट में जेट फ्यूल पर होने वाला खर्च लगभग 40 प्रतिशत होता है। जेट फ्यूल की कीमत बढ़ने पर स्वाभाविक रूप से कंपनियों के मुनाफे में भी कमी आ जाती है। कहा जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित करने वाली विमानन कंपनियां को कई रूट पर लंबी उड़ान भी भरनी पड़ रही है। खाड़ी क्षेत्र में कई देशों के एयर स्पेस बंद होने की वजह से विमानों को लंबा रूट अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे जेट फ्यूल की खपत भी बढ़ गई है और उड़ानों के संचालन पर होने वाला खर्च भी बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में अगर विमानन कंपनियों को एयरपोर्ट चार्ज और टैक्स में रहता नहीं मिला, तो उनके सामने हवाई किराए में बढ़ोतरी करने के अलावा और कोई चारा नहीं होगा।

पांच नई कारों और एसयूवी लान्च करने की तैयारी में होंडा

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में आटोमोबाइल कंपनी होंडा मोटर अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। बढ़ते काम्पिटिशन को देखते हुए अब कंपनी पांच नई कारों और एसयूवी को लान्च करने की तैयारी में है। इनमें इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां शामिल हैं।

जो अलग-अलग ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर पेश की जाएंगी। कंपनी की सबसे अहम लान्च में होंडा ओ अल्फा ईवी शामिल है, जो भारत में तैयार होने वाला पहला इलेक्ट्रिक एसयूवी माडल होगा। इसे फ्यूचरिस्टिक डिजाइन, बाक्सी स्टाइल और एडवांस फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा। इसमें 65केडब्ल्यूएच और 75केडब्ल्यूएच के बैटरी आप्शन मिल सकते हैं, जो लगभग 450 से 500 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम होंगे। इसकी लान्चिंग अगले साल संभावित है और यह 20 से 25 लाख रुपये के प्राइस रेंज में आ सकती है। इसके अलावा कंपनी होंडा झेडआर वी को भी भारत में लान्च करने की योजना बना रही है, जो एक प्रीमियम हाइब्रिड एसयूवी होगी। इसमें 2.0 लीटर का पावरफुल हाइब्रिड इंजन और आल-वील ड्राइव का विकल्प मिलेगा। इसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये से शुरू हो सकती है और इसे 2026 के आसपास पेश किया जा सकता है। होंडा अपनी टू-डोर कूपे होंडा प्रीलूड को भी भारत में लाने की तैयारी कर रही है, जिसमें स्पोर्टी डिजाइन और करीब 200 बीएचपी का इंजन मिलेगा। वहीं होंडा सिटी का फेसलिफ्ट और हाइब्रिड वर्जन भी जल्द अपडेट होकर आएगा, जिसमें नया डिजाइन और बेहतर फीचर्स मिलेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बंगाल में चुनावी...

वे पहचान उजागर नहीं करना चाहते।

वे कहते हैं, पार्टी किसी भी कीमत पर वोट नहीं खोना चाहती। हिंदी भाषी इलाकों में रामनवमी आस्था और शौर्य का विषय है। अब ये सियासी हो चुका है। इसलिए टीएमसी भी जुलूस निकालेगी। ये पहली बार नहीं है। पहले भी पार्टी नेताओं ने जुलूस निकाले हैं, बस उसमें पार्टी का झंडा नहीं होता है। ऐसा ज्यादातर हिंदी भाषी इलाकों में ही करते हैं।'

भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी पहले टीएमसी से विधायक थे। आसनसोल के मेयर रह चुके हैं। वे खुद टीएमसी के जुलूस का प्रतिनिधित्व करते थे और भगवा पगड़ी के साथ अखाड़े में शामिल होते थे। इस बार पार्टी के नाम पर न सही, लेकिन पार्टी के लीडर जरूर रैली निकालेंगे।

बातचीत या...

वाले जहाजों को रोक सकता है या उन पर कब्जा कर सकता है।

परमाणु सुविधाएं निशाने पर: 60% संवर्धित यूरेनियम का खतरा

एक्सियोस के अनुसार अमेरिकी सैनिकों द्वारा ईरान के अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम को ज़ब्त करने की योजनाएं भी विचाराधीन हैं। अमेरिकी सेना ने ईरान के अंदरूनी हिस्सों में ज़मीनी ऑपरेशन की योजनाएँ भी तैयार की हैं, ताकि वहां की परमाणु फैसिलिटी में दबाकर रखे गए अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम पर कब्जा किया जा सके।

माना जाता है कि यह यूरेनियम ईरान के अंदरूनी हिस्सों में स्थित अब खंडहर बन चुके परमाणु ठिकानों के नीचे दबा हुआ है। इसके विकल्प के तौर पर अमेरिका इन ठिकानों पर हवाई बमबारी भी कर सकता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ईरान उस सामग्री तक न पहुंच पाए।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की हालिया रिपोर्टों के अनुसार ईरान ने यूरेनियम संवर्धन का स्तर काफी बढ़ा लिया है। 2025-26 के आकलनों के मुताबिक ईरान लगभग 60% तक संवर्धित यूरेनियम तैयार कर चुका है, जो हथियार-ग्रेड 90% से थोड़ा ही कम माना जाता है। 2025 के मध्य तक उसके पास लगभग 440 किलोग्राम 60% संवर्धित यूरेनियम है।

ट्रंप का अंतिम फैसला: बातचीत या बमबारी?

सूत्रों का कहना है कि ट्रंप ने अभी तक इनमें से किसी भी योजना पर कोई फैसला नहीं लिया है। अमेरिका इन विकल्पों पर अभी विचार ही कर रहा है।

इतने जटिल और जोखिम भरे ऑपरेशन को अंजाम देने के बजाय अमेरिका उन सुविधाओं पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले कर सकता है, ताकि ईरान को उस सामग्री तक पहुंचने से हमेशा के लिए रोका जा सके।

सूत्रों का कहना है कि अगर ईरान के साथ बातचीत से जल्द ही कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता है, तो ट्रंप ईरान के साथ तनाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप सबसे पहले ईरान के पावर प्लांट और ऊर्जा सुविधाओं पर बमबारी करने की अपनी धमकी को अमल में ला सकते हैं, जिसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र में जबरदस्त जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर कोई समझौता नहीं हो पाता है तो ट्रंप पहले से कहीं ज़्यादा ज़ोरदार हमला करने के लिए तैयार हैं।

मारे गए कमोडोर अलीरेज़ा तंगसीरी

इजरायल ने गुरुवार को दावा किया कि उसने ईरानी क्रांतिकारी गार्ड की नौसेना के प्रमुख कमोडोर अलीरेज़ा तंगसीरी को मार गिराया है।

इजरायल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि तंगसीरी रातभर चले हमले में अन्य वरिष्ठ नौसैन्य कमांडरों के साथ मारे गए। काट्ज ने बताया कि तंगसीरी उन बमबारी अभियानों के लिए जिम्मेदार थे जिनके चलते होर्मुज़ जलसंधि से जहाजों का गुजरना रुक गया था। काट्ज ने कहा कि यह हमला ईरानी सैन्य के शीर्ष अधिकारियों के लिए एक स्पष्ट संदेश के रूप में काम करेगा कि इजरायली सेना उन्हें खोज निकालेगी।

'तुर्की और पाकिस्तान सुलह का रास्ता निकाल रहे, लेकिन...'

मिडिल ईस्ट में मचे घमासान के बीच एक ऐसी खबर आई है जो थोड़ी राहत भी देती है और थोड़ी चिंता भी। ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने इशारों-इशारों में बताया है कि परदे के पीछे की बातचीत यानी डिप्लोमेसी अभी थमी नहीं है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस लड़ाई को शांत करवाने के लिए अब तुर्की और पाकिस्तान ने बिचौलिए की भूमिका निभानी शुरू कर दी है। ये दोनों देश मिलकर ईरान और अमेरिका के बीच कोई ऐसा बीच का रास्ता ढूंढ रहे हैं, जिस पर दोनों राजी हो सकें।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ईरानी अधिकारी का कहना है कि अगर अमेरिका अपनी जिद छोड़कर जमीनी हकीकत को समझे, तो आगे बढ़ने का रास्ता निकल सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अभी तक आमने-सामने बैठकर चर्चा करने की कोई तैयारी नहीं हुई है। फिलहाल ऐसा कोई रास्ता या प्लान नहीं दिख रहा है जिसे देखकर लगे कि सुलह हो जाएगी। यानी पर्दे के पीछे कोशिशें तो चल रही हैं, लेकिन अभी बात बनती नजर नहीं आ रही है।

ईरान का साफ इनकार: पाकिस्तान का प्रस्ताव 'बेजान'

सुलह कराने की इन कोशिशों के बीच ईरान ने अपनी स्थिति भी साफ कर दी है। पाकिस्तान ने जो प्रस्ताव दिया था, उस पर ईरान ने शुरुआती जवाब देते हुए कहा है कि इस ऑफर में दम नहीं है। ईरानी अधिकारी के मुताबिक, जो शर्तें सामने रखी गई हैं, उनमें कामयाबी की गुंजाइश न के बराबर है। सीधे शब्दों में कहें तो, जब तक ईरान की कम से कम मांगें भी पूरी नहीं होतीं, तब तक वे किसी भी समझौते के मूड में नहीं दिख रहे हैं।

क्या शांत होगी जंग की आग?

भले ही तुर्की और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देश एक राय बनाने की कोशिश में जुटे हों, लेकिन सुलह की राह अभी बहुत मुश्किल है। ईरान का साफ कहना है कि जब तक अमेरिका का नजरिया नहीं बदलता, तब तक किसी भी तरह की बातचीत का कोई मतलब नहीं रह जाता। अब सबकी नजरें इस पर हैं कि क्या पाकिस्तान और तुर्की की ये मध्यस्थता रंग लाएगी या फिर ये जंग और भी भयानक मोड़ लेगी।

आईपीएल...

आईपीएल 2026 का उद्घाटन मैच बेंगलूरू में ही खेला जाएगा।

13 शहरों में होंगे मैच

बीसीसीआई ने पहले 12 अप्रैल तक के मैचों का कार्यक्रम जारी किया था और अब 13 अप्रैल से 24 मई तक का शेड्यूल बता दिया है। दूसरे चरण में 12 वेन्यू पर आईपीएल के मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि आईपीएल 2026 में कुल 13 स्थानों पर मैच होंगे। दूसरे चरण में बेंगलूरू, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में मुकाबले होंगे। पहले चरण में गुवाहाटी भी आईपीएल मैचों की मेजबानी कर रहा है, लेकिन दूसरे चरण में वहां मैच नहीं होंगे। दूसरे चरण की शुरुआत 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हैदराबाद में होने वाले मैच से होगी। वहीं, लीग चरण का अंतिम मैच 24 मई को केकेआर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच कोलकाता में खेला जाएगा।

धर्मशाला में होंगे तीन मुकाबले

दूसरे चरण में आठ डबल हेडर मुकाबले होंगे जिसमें दोपहर के मैच भारतीय समयानुसार 3:30 बजे से होंगे, जबकि शाम के मैच 7:30 बजे से खेले जाएंगे। पहले चरण में चार डबल हेडर होने हैं। यानी इस बार कुल 12 डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे। पंजाब किंग्स की टीम अपने होम मुकाबले न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला में खेलेगी। इस दौरान धर्मशाला में तीन मैच खेले जाएंगे।

दूसरी तरफ, राजस्थान की टीम चार मैच जयपुर में खेलेगी, जबकि गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने तीन होम मैच बेंगलूरू और दो रायपुर में खेलेगी। बीसीसीआई ने बताया कि प्लेऑफ के वेन्यू की घोषणा बाद में की जाएगी।

बस में आग...

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किये गये एक संदेश में कहा, आंध्र प्रदेश के प्रकाशम ज़िले में हुआ हादसा दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायल लोग जल्द से जल्द स्वस्थ हों, यही मेरी कामना है।

उन्होंने इस घटना से प्रभावित लोगों की मदद के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से सहायता राशि देने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा, पीएमएनआरएफ से हर मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये सहायता राशि दी जायेगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

इस घटना के बाद राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों के अधिकारी हालात पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राहत उपाय जल्द से जल्द प्रभावित परिवारों तक पहुंचें।

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 27 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने किया 65 नवगठित समितियों के अध्यक्षों का सम्मान

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा समाज में नवगठित 65 समितियों के अध्यक्षों का सम्मान समारोह राघव रत्ना टावर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। मंच पर समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल तथा पूर्व अध्यक्ष आर. एन. गुप्ता उपस्थित रहे।

समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान

समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने अपने संबोधन में सबका साथ, समाज का विकास की भावना पर बल देते हुए सभी समिति अध्यक्षों से अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन कर समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया।

कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल ने सभी अध्यक्षों से अपनी-अपनी समितियों की रूपरेखा तैयार कर समाज की उन्नति में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया।उन्होंने बताया कि समाज का उद्देश्य निकट भविष्य में जरूरतमंद अग्रबंधुओं तक पहुँच बनाकर उन्हें समाज की सदस्यता दिलाना और उनके लिए विभिन्न सेवा योजनाओं का संचालन करना है। जिन अग्रबंधुओं के लिए शाखा सदस्यता शुल्क देना कठिन है, वे मात्र 11 रुपये देकर सीधे केंद्रीय समिति के सदस्य बन सकते हैं। इसके लिए आगामी रविवार 29 मार्च को दोपहर 12 से 4 बजे तक समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर (तीसरी मंजिल) में फॉर्म भरने की व्यवस्था की गई है।

सामाजिक योजनाओं में गैस समस्या समाधान, जल शीतलन एवं सिलाई मशीन वितरण शामिल

कार्यक्रम में बताया गया कि वर्तमान परिस्थितियों में रसोई गैस की समस्या को देखते हुए समाज द्वारा लगभग 100 इंडक्शन चूल्हे प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न स्थानों पर जल शीतलकों की स्थापना तथा महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण भी किया जाएगा।

समाज द्वारा वितरित प्रिविलेज कार्ड के उपयोग से सदस्यों को विभिन्न जांच केंद्रों, अस्पतालों, औषधि भंडारों एवं होटलों में विशेष छूट भी प्राप्त हो सकेगी। इसके अतिरिक्त लगभग 500 अग्रबंधुओं के लिए श्री गरसरपपरींह ढशाश्रिश तीर्थ यात्रा आयोजित करने की योजना भी बनाई जा रही है।

जोन समन्वयकों एवं समिति अध्यक्षों का शाल ओढ़ाकर सम्मान

कार्यक्रम में जिला समन्वयकों में पूर्व जोन से महेंद्र अग्रवाल, पश्चिम जोन से मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर जोन से सुनील चोखनी, दक्षिण जोन से श्रीमती अलका मिंडा तथा सेंट्रल जोन से अजय कुमार तुलसीयान को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सभी जोनों के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन का भी सम्मान किया गया।

विभिन्न समितियों के अध्यक्षों में अजय अग्रवाल, अजय दोचानिया, आकृति गोयल, आनंद नरेड़ी, अरुण डाकोतिया, सी. ए. मधुसूदन अग्रवाल, सी. ए. राजगोपाल, दीपक अग्रवाल, दीपक गुप्ता, दीपक सरायवाला, दिनेश केडिया, डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ. सीमा जैन, गोपाल अग्रवाल, गोपाल मोर, हरीश गुप्ता, जनार्दन सुरेखा, जितेंद्र अग्रवाल, कमल अग्रवाल, किरन तायल, कृष्ण कुमार अग्रवाल, एम. नरेश कुमार, महावीर प्रसाद अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, माया देवी अग्रवाल, मायाराम अग्रवाल, मीना केडिया, मुकेश अग्रवाल, मुकेश केडिया, मुकुंद लाल अग्रवाल, मुन्ना लाल अग्रवाल, नरेंद्र कुमार गोयल, नवल किशोर बंसल, पंकज सांघी, पायल सराफ, प्रमोद कुमार सरायवाला, प्रमोद मोर, प्रशांत देव गुप्ता, प्रवीण अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, रचिता अग्रवाल, राज कुमार अग्रवाल, राम गोपाल अग्रवाल, रमाकांत गोयल, रमेश अग्रवाल, रामनिवास बंसल, रामप्रकाश अग्रवाल, रिंकू गर्ग, रितेश जगनानी, रितेश जैन, संजय गुप्ता, सतीश सरायवाला, शेष कुमार गोयल, सौरभ अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सुरेश बंसल, सुरेश कुमार सिंघल, उदय गुप्ता सहित अनेक लोगों को सम्मानित किया गया। अंजनी कुमार अग्रवाल, डी. पी. अग्रवाल तथा अजय अग्रवाल भी वर्तमान समितियों के अध्यक्षों में शामिल हैं।

विशेष आमंत्रित सदस्यों में विनय जैन, दिनेश कुमार मोदी, रमन अग्रवाल, हरीगोविंद प्रसाद, डॉ. दिलीप पंसारी, दिनेश शहरपुरिया, हितेश अग्रवाल, डॉ. अशोक केडिया, अरुण अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अशोक चोखानी, सुभाष कुमार अग्रवाल, शशिकांत गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन के गोपाल मोर एवं सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले ने समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल का भी शाल ओढ़ाकर सम्मान किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रतीक नरसरिया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन हुआ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा विशेष सदस्यता अभियान

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज के आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधुओं हेतु समाज द्वारा विशेष सदस्यता अभियान आयोजित किया जा रहा है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समाज के मीडिया एवं प्रेस के संयोजक मुकुंदलाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज में ऐसे कई अग्रबंधुओं के परिवार हैं जो समाज की विभिन्न शाखाओं द्वारा निर्धारित शुल्क देने में असमर्थ हैं वे सीधे अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के सदस्य मात्र 11/- रुपये देकर विशेष सदस्य बन सकते हैं तथा समाज द्वारा आगामी सहायता योजन-ाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

1) प्रति सदस्य को समाज द्वारा प्रिविलेज कार्ड दिया जाएगा जिसके फलस्वरूप वे विभिन्न हॉस्पिटल, डायग्नोस्टिक सेंटर, होटल, मेडिकल शॉप, मिठाई की दुकान एवं अन्य कई प्रतिष्ठानों से विशेष छूट का लाभ प्राप्त कर सकते हैं ।

2) समाज द्वारा इंडक्शन चूल्हा, धार्मिक तीर्थ यात्रा, शिक्षा सहायता, चिकित्सा सहायता, एकल नारी आदि अन्य सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं ।

3) जिन अंग्रबंधुओं को उपरोक्त सेवाओं का लाभ लेना हो उनको समाज का सदस्य होना आवश्यक है।

विशेष सदस्य बनने हेतु आप अपना आधार कार्ड की कॉपी, एक फोटो समाज के कार्यालय 301, राघव रत्ना टावर में रविवार 29 मार्च को मध्याह्न 12 बजे से 4 बजे तक आकर सदस्यता फॉर्म भरकर वहीं जमाकर प्रिविलेज कार्ड प्राप्त कर सकते हैं।

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल एवं अन्य पदाधिकारीगण द्वारा आपसे आग्रह किया जा रहा है कि अधिक से अधिक अग्रबंधु समाज के विशेष सदस्य बनकर उपरोक्त सभी भावी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। अधिक जानकारी हेतु पवन डोकानिया फ़ोन अथवा शीतल अग्रवाल से संपर्क करें।

इसामिया बाजार आर्यसमाज में श्रीरामनवमी पर भव्य रामकथा एवं यज्ञ का आयोजन

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आर्यसमाज इसामिया बाजार, चप्पल बाजार में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी ठरा श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर 21 से 26 मार्च तक प्रातः एवं सायंकाल बृहद यज्ञ तथा गह श्रीरामकथा का भव्य आयोजन किया गया।

हरियाणा से पधारी आर्यजगत की प्रसिद्ध श्रीरामकथा वाचिका विदुषी बहन अंजली आर्य के ओजस्वी उद्बोधन, मधुर भजन और संगीतमय प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कथा का वर्णन इतना प्रभावशाली रहा कि श्रोता घंटों तक शांत और गंभीरतापूर्वक कथा श्रवण करते रहे। सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को अत्यंत सफल बनाया।यज्ञ एवं श्रीरामकथा के इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में धर्मपाल आर्य के सुपुत्र विजयपाल आर्य (प्रवासी भारतीय), आश्विन यादव, मनीषा गार्डन के उपेंद्र आर्य, अभिषेक आर्य, अभिनव आर्य, यशपाल आर्य, पृथ्वी, डॉ. धर्म तेजा, नरेंद्र आर्य सहित अनेक श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा। छह दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान का समापन भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ।कथा के अंतिम दिन लगभग ढाई सौ दंपतियों ने सामूहिक यज्ञ में भाग लेकर पूरे वातावरण को पवित्र और आध्यात्मिक बना दिया। विदुषी अंजली आर्य ने सभी यज्ञ प्रतिभागियों को आशीर्वाद प्रदान किया। उनके नेतृत्व में इसामिया बाजार आर्यसमाज से सुल्तान बाजार आर्यसमाज तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर धर्मपाल आर्य, डॉ. धर्म तेजा, प्रदीप जाजू, पृथ्वी, अश्विन यादव, अभिनव आर्य, यशपाल आर्य, डेनी कुमार आजाद, डॉ. प्रताप रूद्र, वेंकट रेड्डी, भक्त राम सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाया।

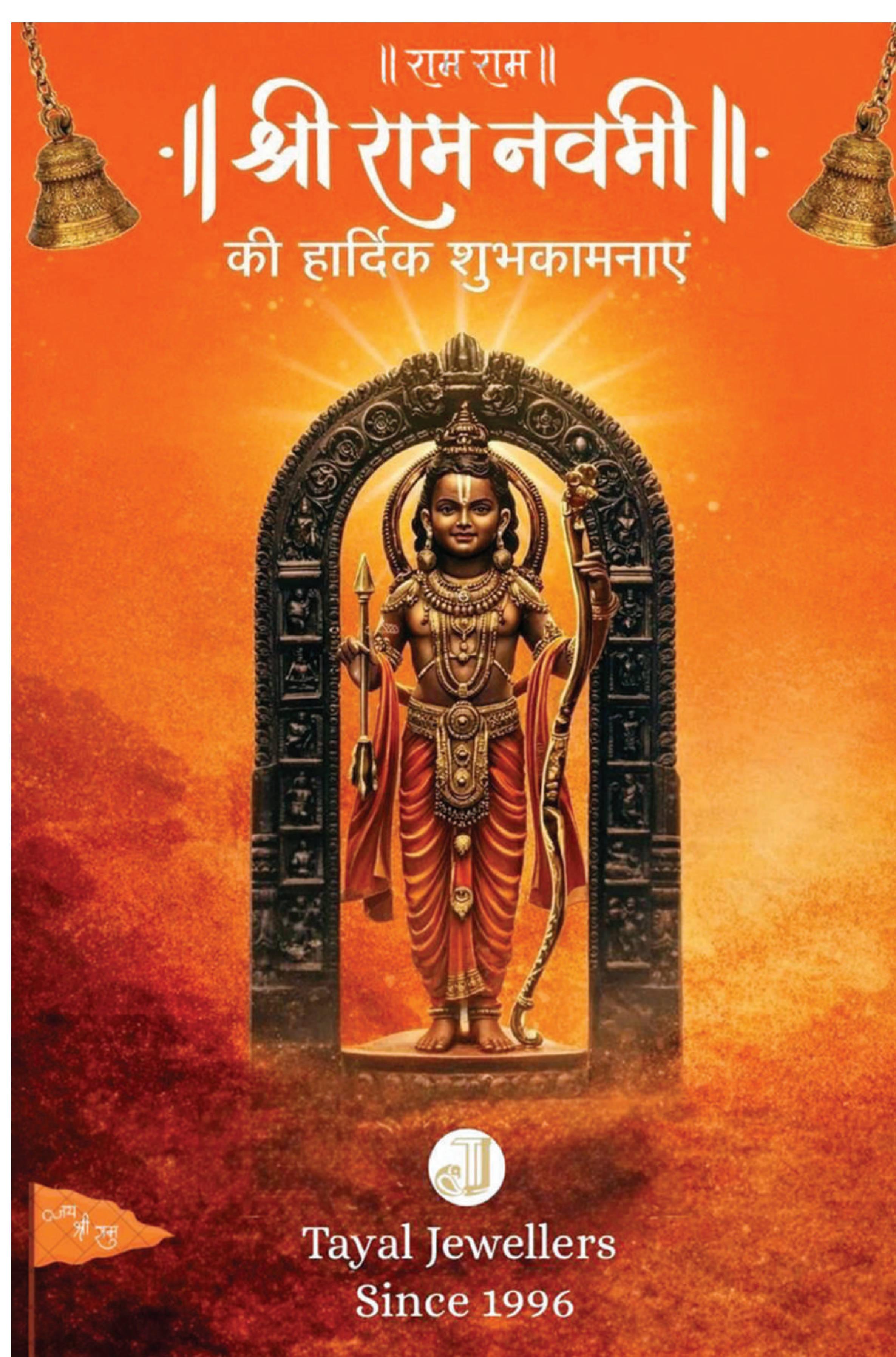

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

उम्मीद संस्था : जरूरतमंद बेटियों के जीवन में शिक्षा की रोशनी जगा रही अनोखी पहल

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
देश में आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे अनेक परिवार हैं जहाँ आर्थिक अभाव के कारण बेटियों की शिक्षा को पर्याप्त महत्व नहीं मिल पाता और वे आगे बढ़ने के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए उम्मीद संस्था के संस्थापक ग्रेटर नोएडा के डॉ. देवेंद्र कुमार नागर और महासचिव जागेश कुमार ने निशुल्क पुस्तक बैंक अभियान के माध्यम से जरूरतमंद बेटियों को शिक्षित करने की एक प्रेरणादायी पहल शुरू की है, ताकि कोई भी बेटी पुस्तकों के अभाव में अशिक्षित न रहे।

अब तक इस अभियान के तहत 18,500 से अधिक बच्चों को लगभग 1,85,000 पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है।

कबाड़ की पुरानी किताबें बनीं बेटियों के सपनों की सीढ़ी

जो पुस्तकें पहले लोग कबाड़ में बेच दिया करते थे, वही आज उम्मीद संस्था के माध्यम से जरूरतमंद बेटियों के जीवन में नई उम्मीद जगा रही हैं। यह विचार डॉ. देवेंद्र कुमार नागर के मन में वर्ष 2008 में तब आया, जब उनकी नियुक्ति दिल्ली के निजामुद्दीन क्षेत्र के एक सरकारी विद्यालय में शिक्षक के रूप में हुई। वहाँ उन्होंने देखा कि कई बच्चे बिना पुस्तकों के ही विद्यालय आते थे।

इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने कभी अपने वेतन से तो कभी अन्य स्रोतों से पुस्तकें उपलब्ध करानी शुरू कीं। बाद में उन्होंने अन्य स्कूलों से पासआउट हो चुके छात्रों से उनकी पुरानी किताबें एकत्र कर जरूरतमंद बच्चों को वितरित करने की योजना बनाई। प्रारंभ में यह कार्य आसान नहीं था, क्योंकि 50 में से मुश्किल से 10 छात्र ही अपनी पुस्तकें देने को तैयार होते थे। इसके बावजूद उन्होंने हर महीने अपने वेतन का दस प्रतिशत नई पुस्तकें खरीदने में खर्च करना जारी रखा।

क्यों केंद्र में रखीं गईं बेटियाँ

इस अभियान को विशेष रूप से बेटियों पर केंद्रित रखने के विषय में डॉ. देवेंद्र बताते हैं कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को ही पुस्तकों के लिए अधिक संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने एक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि एक बार दसवीं कक्षा की एक छात्रा के पिता बोर्ड परीक्षा से कुछ दिन पहले ही उसके लिए निशुल्क पुस्तकें लेने पहुँचे, जो इस बात का संकेत था कि वर्ष भर बेटी की पढ़ाई पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था।

घर का कमरा बना पुस्तक बैंक, हजारों किताबों का भंडार

ग्रेटर नोएडा स्थित अपने घर के एक कमरे को डॉ. देवेंद्र ने पुस्तक बैंक में परिवर्तित कर दिया है। वर्तमान में यहाँ स्कूल, कॉलेज और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित लगभग 50,000 पुस्तकें संग्रहित हैं, जिनमें इंजीनियरिंग, लॉ, बीएड और एमबीबीएस जैसे पाठ्यक्रमों के सेट भी शामिल हैं।

उनकी इस पहल से प्रभावित होकर ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली और हरियाणा तक लोग जागरूक हुए हैं। समाज कल्याण अधिकारी श्री शैलेन्द्र बहादुर सहित अनेक नागरिक अपने बच्चों की पुरानी पुस्तकें इस बैंक में जमा कराते हैं। कई बार संस्था के सदस्य स्वयं दूसरे शहरों में जाकर भी पासआउट छात्रों से पुस्तकें एकत्रित करते हैं।

900 स्वयंसेवकों का साथ, कई बच्चों ने किया शहर टॉप

वर्तमान में उम्मीद संस्था के साथ लगभग 900 स्वयंसेवक जुड़े हुए हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों में पुस्तकें एकत्र करने और जरूरतमंद बच्चों तक पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। कई स्वयंसेवक आवश्यकता पड़ने पर अपने स्तर पर पुस्तकें खरीदकर भी उपलब्ध कराते हैं।

डॉ. देवेंद्र के अनुसार, पुस्तक बैंक से पुस्तकें प्राप्त करने वाले अनेक छात्रों ने अपने-अपने शहरों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया है। अब संस्था इन छात्रों के परिणामों का रिकॉर्ड भी रख रही है, ताकि इस पहल के वास्तविक प्रभाव का आकलन किया जा सके।

जेसीआई सिकंदराबाद पैराडाइज़ का विशाल तंबोला 7 अप्रैल को

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जेसीआई सिकंदराबाद पैराडाइज़ की आपात बैठक सूर्या टॉवर, सिकंदराबाद स्थित लायंस सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था की अध्यक्ष शिल्पा लिंगा ने की, जिसमें आगामी सामाजिक कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर अध्यक्ष शिल्पा लिंगा ने घोषणा करते हुए सभी सदस्यों को आगामी 7 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से सिकंदराबाद के ताज महल होटल में आयोजित होने वाले विशाल तंबोला एवं अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से सफल बनाया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेसहारा अनाथ, नेत्रहीन तथा कैंसर से पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए धन एकत्रित करना है।

संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के सहयोग से ऐसे बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

बैठक के अंत में सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सामाजिक कार्य को सफल बनाने की अपील की गई।

ताड़बन स्थित हनुमान निवास पर दुर्गाष्टमी की पूजा-अर्चना करते हुए किशोडनिया परिवार।

कोठी जैन मंदिर के पास श्री अजित पार्श्व जैन युवा संघठन द्वारा आगामी 29 मार्च को भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अंतर्गत आयोजित अन्नप्रसाद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए श्री जैन सेवा संघ चेरमैन योगेश सिंघी, अध्यक्ष उमेश बागरेचा, जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल, डॉ. अनीश पोकरणा, महेन्द्र पितलीया, विक्रम चौधरी, विजय आंचलिया, श्रीपाल देशलेहरा, जयंतीलाल बंदामुथा, स्वामी कमलेश महाराज, पार्षद राकेश जायसवाल, पार्षद शंकर यादव, पार्षद डॉ. सुरेखा, भाजपा नेता ओमप्रकाश बिसवा को आमंत्रित करते हुए संगठन के निदेशक नरेश पारेख, मुकेश चौहान, रिद्धीश जागीरदार, मोक्ष एवं अन्य ।

सीरवी समाज मंदिर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव पर हवन संपन्न

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कोरेमुला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ हवन का आयोजन किया गया।

शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न की गई, जिसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन में आहुति अर्पित करते हुए पूर्णाहुति दी। वातावरण भक्तिमय मंत्रों और धूप-हवन की सुगंध से गुंजायमान रहा।

इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष कालूराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, पुजारी पोकरराम काग, नगाराम काग, कंचन देवी काग, सुनिता काग, पापुड़ी देवी लचेटा, पंडित बाबूलाल शर्मा तथा संपत शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने धर्मलाभ प्राप्त किया।

विदुषी बहन अंजली आर्य का आर्य कन्या विद्यालय में सम्मान किया गया

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, देवीदीन बाग, कंदास्वामी लेन, सुल्तान बाजार में शिक्षण समिति द्वारा आर्य जगत की प्रसिद्ध राम कथा वाचक बहन विदुषी अंजली आर्य (हरियाणा) का भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पिछली बार भी स्कूल में उनके स्वागत को उन्होंने याद किया और आर्य कन्या विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की।

इस अवसर पर डॉ प्रताप रूद्र, प्रदीप जाजू, उमा दुबे, वाई पद्मा, भक्त राम ने अंजली आर्य का स्वागत शाल ओढ़ाकर किया, साथ में भेंट स्वरूप राशि दी गई। पंडित गंगाराम स्मारक मंच की ओर से प्रकाशित जीवन संग्राम - क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी और ऋषि चरित्र प्रकाश भी उन्हें भेंट में दी गई। उन्हें इन दोनों पुस्तकों को मिलने से बड़ी प्रसन्नता हुई और उन्होंने इसे पढ़ने का आश्वासन दिया।

विद्यालय में अन्य उपस्थित मान्यवर डॉ धर्म तेजा, धरमपाल, सत्यपाल, रामचंद्र राजू, नरेंद्र आर्य, पृथ्वी और अन्य ने भाग लेकर सफल बनाया।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर अष्टमी के दिन लक्ष्मी प्राप्ति हवन संपन्न हुआ तथा माता जी के मोहिनी रूप के दर्शन हुए, साथ ही छप्पन भोग अर्पित किया गया।

सनाया होम्स में ईद मिलन समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो):
सनाया होम्स द्वारा बंजारा हिल्स रोड नंबर 11 स्थित अपने मुख्यालय पर एक आत्मीय और शानदार ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर की प्रमुख हस्तियों, गणमान्य व्यक्तियों और शुभचिंतकों ने शिरकत की। यह मिलन समारोह ईद के पावन अवसर पर एकता, उत्सव की भावना और सद्भावना का एक सुंदर प्रतिबिंब रहा।

इस आयोजन में मीडिया जगत और सामाजिक क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियों सहित कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे। मेहमानों ने उत्सव के विशेष व्यंजनों का आनंद लिया, जिससे वातावरण में गर्मजोशी, उल्लास और एकजुटता का संचार हुआ।

समारोह के दौरान अतिथियों ने एक-दूसरे को ईद की बधाई दी। सनाया ग्रुप के चेयरमैन इफ्तिखार अली ने सभी का स्वागत किया और इस बात पर जोर दिया कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में मेहमानों के लिए पारंपरिक और लजीज पकवानों की व्यापक व्यवस्था की गई थी। उत्सव के रंग में डूबे इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति से चार चाँद लगा दिए।

इस अवसर पर मोहम्मद यूसुफ मीर, अरसलान अली मीर, इफ्तिखार अली (चेयरमैन, सनाया ग्रुप), इलियास खान, मोहम्मद नुमान और मोहम्मद शम्सुद्दीन एवं अन्य उपस्थित थे।

सुजोक विशेषज्ञ डॉ. शिवकुमार तिवारी का सम्मान

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
ऋषि शृंग भवन में चंडीगढ़ निवासी सुप्रसिद्ध एक्यूप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा विशेषज्ञ शिवकुमार तिवारी के नगर आगमन पर सिखवाल प्रगति समाज द्वारा उनका सम्मान किया गया।

समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने डॉ. शिवकुमार तिवारी का शाल और माला पहनाकर पारंपरिक रूप से अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने उनके चिकित्सा क्षेत्र में योगदान की सराहना की।

सम्मान समारोह में रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, मुरलीधर तिवारी, राधेश्याम ओझा, श्रीनिवास नागला तथा राधेश्याम उपाध्याय सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और उन्होंने डॉ. तिवारी का स्वागत करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, तेज प्रकाश सारडा, संजय गुप्ता, हरिश तोलाराम हिंदुजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

आरोग्यश्री पर दिसंबर 2023 तक हर महीने 89 करोड़ खर्च : रेवंत

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को विधानसभा में बताया कि छह दिसंबर 2023 तक आरोग्यश्री योजना के तहत औसतन 89 करोड़ रुपये प्रति माह खर्च किए गए थे।

श्री रेड्डी ने कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में पर्याप्त धन आवंटित किया गया है। निजी अस्पतालों के बकाया भुगतान के कारण बंद होने के आरोपों को उन्होंने ''झूठा प्रचार'' बताया। उन्होंने बताया कि पिछली बीआरएस सरकार ने आरोग्यश्री के तहत भारी बकाया छोड़ा था, जिसे उनकी सरकार ने काफी हद तक चुका दिया है। साथ ही योजना की सीमा 5–10 लाख रुपये तक बढ़ायी गयी है।

उन्होंने जानकारी दी कि सात दिसंबर 2023 तक 627 करोड़ रुपये बकाया थे। इसके बाद से सरकार ने कुल 2,408 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, जिसमें 927 करोड़ रुपये सरकारी अस्पतालों और 1,480 करोड़ रुपये निजी अस्पतालों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब केवल 727 करोड़ रुपये बकाया हैं और भुगतान नियमित रूप से किया जा रहा है। साथ ही योजना के तहत इलाज कराने वाले

मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) में सुधारों का जिक्र करते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि पहले अनियमितताएं थीं, लेकिन ऑनलाइन आवेदन प्रणाली लागू होने से दुरुपयोग खत्म हुआ है। अब तक इस कोष से 2,046 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि गरीबों के स्वास्थ्य पर कुल 4,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिसमें 2,400 करोड़ रुपये आरोग्यश्री के तहत शामिल हैं।

चिकित्सा ढांचे में कमियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में 35 मेडिकल कॉलेज होने के बावजूद शिक्षण अस्पतालों में मरीजों की संख्या अपेक्षित नहीं है। सरकार आरोग्यश्री मरीजों को इन अस्पतालों की ओर भेजने और उनके संचालन को मजबूत करने की योजना बना रही है। अस्पताल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए ग्रुप-1 अधिकारियों को जिम्मेदारी दी जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कल्याणकारी योजनाओं के तहत घोषणा की कि जाति जनगणना के आधार पर 1.15 करोड़ परिवारों को 'इंदिरम्मा लाइफ इंश्योरेंस' योजना का लाभ दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य के बाहर कार्यरत डॉक्टरों को जोड़ने के लिए एक विशेष प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है, ताकि वे अपने दौरे के दौरान स्थानीय अस्पतालों में सेवाएं दे सकें। इसके अलावा, वारंगल, अलवाल, एलबी नगर और सनतनगर स्थित टीआईएमएस अस्पतालों को विशेष अस्पतालों में अपग्रेड किया जाएगा। गोशामहल में 30 एकड़ क्षेत्र में 3,000 करोड़ रुपये की लागत से नया उस्मानिया अस्पताल बनाया जाएगा, जिसमें अतिरिक्त 10,000 बेड की सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पिछली कमियों को दूर कर स्वास्थ्य क्षेत्र में और सुधार करेगी तथा शिक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि गरीबों के लिए बजट में कोई कटौती नहीं होगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त आवंटन किया जाएगा।

परोपकार का संदेश देती है नवरात्रि : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 26 मार्च(शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में महा अष्टमी के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव का सुंदर संगम देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की गई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए समाजसेवी जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि का पर्व केवल पूजा-अर्चना, व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें परोपकार, सेवा और करुणा का भी संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की सच्ची आराधना तभी पूर्ण होती है जब हम समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता करते हैं। अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान है, क्योंकि इससे किसी की भूख मिटती है और उसके जीवन में आशा का संचार होता है, उन्होंने भावुकता से कहा।

उन्होंने आगे कहा कि नवरात्रि के नौ दिनों में हमें अपने भीतर की नकारात्मकता को त्यागकर सेवा और सद्भावना को अपनाना चाहिए। यही भावना समाज को मजबूत बनाती है और हमें एक-दूसरे के करीब लाती है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ सेवा कार्य में भाग लिया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। इस सेवा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सच्ची भक्ति वही है, जो मानव सेवा के रूप में प्रकट होती है।

इस अवसर पर शिव भगवान अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, राजेश सर योग, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, मीना गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा और परोपकार के कार्य निरंतर जारी रखेंगे, ताकि समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुंचाई जा सके और नवरात्रि के इस पावन संदेश को सार्थक किया जा सके।

रेड्डी ने यात्रियों की ज़रूरतों के हिसाब से एमएमटीएस सेवाओं को ढालने का दिया निर्देश

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे हैदराबाद में मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) सेवाओं को यात्रियों की ज़रूरतों के हिसाब से ढालकर अंतिम छोर तक पहुँच में सुधार करने और राजस्व बढ़ाने के उपायों पर काम करें तथा इन सेवाओं को नया रूप दें।

श्री रेड्डी ने गुरूवार को विधान परिषद हॉल में हुई एक समीक्षा बैठक के दौरान एमएमटीएस में यात्रियों की संख्या में साल-दर-साल आ रही गिरावट पर चिंता जताई और अधिकारियों से इस बारे में विस्तृत स्पष्टीकरण माँगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दफ़्तर जाने-आने के व्यस्त समय के दौरान एमएमटीएस ट्रेनों की संख्या बढ़ाएँ और समय की पाबंदी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने यात्रियों की सुविधा पर ज़ोर देते हुए कहा कि एमएमटीएस के कई स्टेशन रिहायशी इलाकों के काफी अंदर स्थित हैं और वहाँ तक पहुँचने के लिए राज्य परिवहन निगम (आरटीसी) बस सेवाओं की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है।

इस समस्या को हल करने के लिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एमएमटीएस स्टेशनों तक और वहाँ से निर्बाध 'अंतिम-मील संपर्क प्रदान करने के लिए छोटी बसें चलाने की संभावनाओं का पता लगाएँ। मुख्यमंत्री ने स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया और कहा कि बेहतर सुविधाएँ मिलने से ज़्यादा यात्री एमएमटीएस सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने कहा कि यात्रियों को आकर्षित करना, विश्वसनीय, आरामदायक और सुलभ सेवाएँ प्रदान करने पर निर्भर करता है।

दावोस एमओयू से 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश, 68,150 नौकरियां की उम्मीद: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सूचना एवं उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने गुरवार को विधानसभा को सूचित किया कि राज्य सरकार ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर हस्ताक्षरित समझौतों ज्ञापनों के माध्यम से महत्वपूर्ण निवेश प्राप्त किया है।

प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने दावोस में 2.19 लाख करोड़ रुपये के सामूहिक निवेश वाले 44 एमओयू पर हस्ताक्षर किया है और इन निवेशों से राज्य में लगभग 68,150 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि अकेले 2024 की दावोस यात्रा के दौरान, तेलंगाना ने 18 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये थे जिससे 40,232 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ था। उन्होंने सदन को यह भी सूचित किया कि 81,800 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश वाली छह कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है। इन निवेशों से राज्य को 1,540 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। इसके अलावा राज्य सरकार 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही तीन और कंपनियों के लिए भूमि चिन्हित की गयी है।

उन्होंने क्षेत्रीय विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान में निजामाबाद स्थित आईटी टावर से 11 कंपनियां काम कर रही हैं, जिसकी बैठने की क्षमता 681 है। फिलहाल, इस सुविधा में 276 कर्मचारी कार्यरत हैं। मंत्री ने सदन को इन समझौता ज्ञापनों पर सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले श्वेत पत्र की भी जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इन उद्योगों की स्थापना से तेलंगाना को आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों में वृद्धि समेत बहुआयामी लाभ प्राप्त होंगे।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा विकलांग दिवस एवं नवरात्रि पर सेवा व भक्ति कार्यक्रम

माथुर वैश्य इंटरनेशनलहैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा विकलांग दिवस तथा नवरात्रि के पावन अवसर पर रश्मि गुप्ता के निवास पर सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान क्लब की ओर से एक विकलांग छात्रा को धनराशि प्रदान कर उसकी सहायता की गई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने समाज में जरूरतमंदों की सहायता के ऐसे प्रयासों को सराहनीय बताया।

ार्यक्रम में विशेष रूप से पधारी कांची वेल्फेयर सोसायटी की अध्यक्षा परमेश्वरी शर्मा का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। क्लब पदाधिकारियों ने उनके सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रेरणास्रोत बताया।

नवरात्रि के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने मिलकर माता के भजन गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उपस्थित महिलाओं एवं सदस्यों ने सामूहिक रूप से भक्ति-गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक रंग प्रदान किया।

कार्यक्रम में क्लब की केंद्रीय केबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता, अध्यक्षा दिव्या गुप्ता, सचिव रश्मि गुप्ता, कोषाध्यक्ष कविता गुप्ता, जनसंपर्क अधिकारी बीना गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य पूजा गुप्ता, ज्योति, भारती, दमयंती जी सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

हनुमान जन्मोत्सव पर श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ 1 अप्रैल से

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर के तत्वावधान में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ 1 अप्रैल से आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन हिमायत सागर के कोतवालगुड़ा स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर में संपन्न होगा।

पंडित लालाजी शुक्ला महाराज एवं पंडित विनीत शुक्ला महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि अखंड पाठ बुधवार, 1 अप्रैल को दोपहर 12:30 बजे प्रारंभ होकर गुरुवार, 2 अप्रैल को पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में अभिषेक, शृंगार आरती तथा भजन का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दोपहर 1 बजे विशेष शृंगार एवं आरती भी संपन्न होगी। मंदिर में प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को नियमित रूप से हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ, हवन और आरती का आयोजन किया जाता है।

मंडल के पदाधिकारियों ने नगर के सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाएं और पुण्य लाभ अर्जित करें।

तेलंगाना में अगले 24 घंटों में आंधी, बिजली और ओलावृष्टि की संभावना

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान बिजली कड़कने के साथ आंधी और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं तथा ओलावृष्टि होने की आशंका है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 26 से 30 मार्च तक पूरे राज्य में कुछ जगहों पर बिजली कड़कने के साथ-साथ आंधी और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। अगले सात दिनों के दौरान राज्य में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने के भी आसार हैं।

डी. राधिका के जन्मदिन पर अन्नदान, सेवा से मनाया गया विशेष दिन

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास डी. राधिका के जन्मदिन के अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित कर जन्मदिन को एक सार्थक, मानवीय और प्रेरणादायक रूप दिया गया।

इस अवसर पर राधिका के पिता ई. जगन ने भावुक शब्दों में बताया कि उनकी बेटी राधिका वर्तमान में अमेरिका में निवास कर रही है। जन्मदिन से एक दिन पूर्व उनका फोन आया, जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से इच्छा व्यक्त की कि उनका जन्मदिन किसी भव्य आयोजन या उत्सव के बजाय जरूरतमंदों को भोजन करवा कर मनाया जाए। उन्होंने विशेष रूप से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान सेवा में इस कार्यक्रम को आयोजित करने का आग्रह किया।

ई. जगन ने कहा कि आज के दौर में जहां युवा पीढ़ी अक्सर दिखावे और भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर आकर्षित होती है, वहीं उनकी बेटी द्वारा सेवा और परोपकार को प्राथमिकता देना उनके संस्कारों और मानवीय मूल्यों को दर्शाता है। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि राधिका की इस सोच ने न केवल उनके परिवार को बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक संदेश दिया है।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने भी इस अवसर पर कहा कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसर को सेवा के साथ जोड़ना एक श्रेष्ठ पहल है, जो समाज में मानवता, संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि राधिका जैसी युवा पीढ़ी से प्रेरणा लेकर यदि अधिक लोग इस दिशा में आगे बढ़ें, तो समाज में जरूरतमंदों की सहायता का दायरा और अधिक व्यापक हो सकता है।

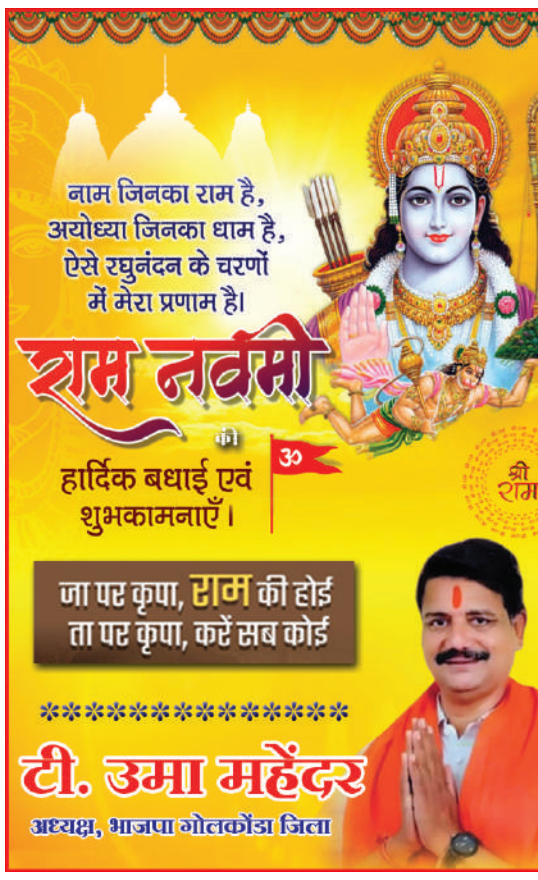

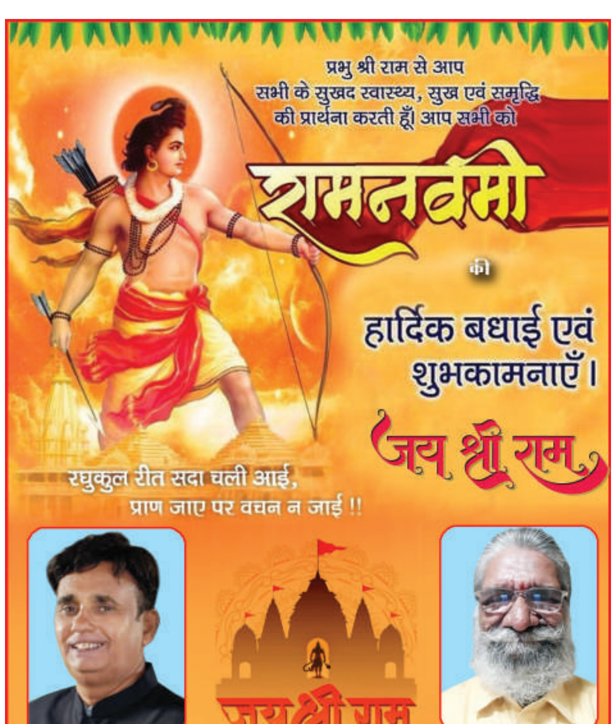

भद्राचलम रामालयम के पुनर्विकास के लिए 351 करोड़ रुपये स्वीकृत

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने ऐतिहासिक भद्राचलम श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर के पुनर्विकास और पुनरुद्धार के लिए 351 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। यह धनराशि प्रसिद्ध मंदिर में बुनियादी ढांचे और तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बंदोबस्ती विभाग ने प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए सरकारी आदेश संख्या आर.टी. 167 के माध्यम से धनराशि की पहली किश्त जारी कर दी है। यह पहल मंदिर के समग्र विकास के लिए तैयार की गई तीन चरणों वाली व्यापक मुख्य योजना का हिस्सा है।

बुधवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस परियोजना के लिए कुल अनुमानित व्यय 586 करोड़ रुपये है। बंदोबस्ती विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामा अय्यर ने बड़े पैमाने पर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी कर दी हैं मुख्य योजना में भक्तों के लिए सुविधाओं में सुधार, मंदिर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और रामालयम की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद हैराज्य मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने इस बीच मंदिर के पुनर्विकास के लिए पर्याप्त धन स्वीकृत करने के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से धार्मिक पर्यटन को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा और हर साल भद्राचलम आने वाले हजारों तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.